CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 287 ता. 21 मई 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गेहूं के भाव में आई तेजी

आगरा सहित इन जिलों की मंडियों में सरकारी समर्थन मूल्य से कहीं ज्यादा मिल रहे दाम

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा सहित एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, मथुरा और कासगंज में गेहूं का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी से ऊपर चल रहा है। जानकारों का मानना है कि इस भाव में अभी और अधिक तेजी आ सकती है। हालांकि आसमान छूते गेहूं के रेट पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने गेहूं के निर्यात पर 13 मई को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है, इसके बाद भी राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। ताजनगरी आगरा में बाह के साथ ही अछनेरा और किरावली की मंडी में बड़ी मात्रा में गेहूं की खरीद होती है। बाह की बात करें तो जरार के एफसीआई के खरीद केंद्र पर डेढ़ महीने में सिर्फ 10 क्विंटल गेहूं की खरीद हो सकी है, जबकि बाजार में आढ़ती 500 क्विंटल से भी ज्यादा की खरीद कर चुके हैं। किसान और व्यापारी इसकी वजह कीमतों में अंतर मानते हैं। गेहूं खरीद का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि मंडी में 2150 रुपये की दर से खरीद हो रही है। जरार के गल्ला व्यापारी राम मोहन गुप्ता, सतीश गुप्ता, नीरज गुप्ता ने बताया कि उनके यहां पर करीब 150 से 200 क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है। जरार के एफसीआई के खरीद केंद्र के प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि खरीद के लिए बारदाना से लेकर धनराशि का इंतजाम है। सभी तैयारियां होने के बाद भी किसान गेहूं लेकर नहीं आ रहे है। अभी तक महज 10 क्विंटल गेहूं की खरीद हो सकी है। जरार की मंडी में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से गेहूं बेचने के लिए पहुंचे किसान रामसेवक, गिर्राज सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि ने बताया कि सरकार को गेहूं खरीद का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 2500 रुपये प्रति क्विंटल करना चाहिए। तभी किसान खरीद केंद्र पर पहुंचेंगे। एटा में सरकारी गेहूं खरीद एक अप्रैल से शुरू हो चुकी है। इसके लिए 2015 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तय किया गया है, जबकि मंडी में निजी आढ़तों पर 2150 से 2200 का रेट किसानों को मिल रहा है। वहीं मथुरा में गेहूं का सर्वाधिक रेट मिल रहा है। यहां आढ़तों पर अच्छा गेहूं 2400 से 2600 प्रति क्विंटल बिक रहा है। यही वजह है कि यहां के किसान तो सरकारी गेहूं खरीद केंद्र पर पहुंच ही नहीं रहे हैं। वहीं मैनपुरी, फिरोजाबाद और कासगंज में भी गेहूं के रेट 2200 से लेकर 2250 प्रति क्विंटल चल रहा है। मैनपुरी में तो इस बार महज 0.37 फीसद ही गेहूं की खरीद हो सकी है।

6 साल बाद जेल से बाहर आई इंद्राणी मुखर्जी

नई दिल्ली। अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी छह साल से अधिक समय के बाद बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भायखला जेल से बाहर आ गईं। अदालत ने कहा कि जमानत राशि 2 लाख रुपये तय की गई और इंद्राणी को दो सप्ताह के भीतर राशि जमा करनी होगी। 6 साल जेल की सजा काटने के बाद जमानत मिलने पर बाहर आई इंद्राणी मुखर्जी ने कहा कि वो जेल से बाहर आकर बहुत खुश हैं। बताते चलें कि इंद्राणी मुखर्जी पिछली शादी से अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी है। शीना बोरा का 2012 में कथित तौर पर अपहरण कर मर्डर कर दिया गया था। इंद्राणी मुखर्जी के अब पूर्व पति और मीडिया कारोबारी पीटर मुखर्जी भी दो अन्य लोगों के साथ इस मामले में आरोपी थे।

महाराष्ट्र : लकड़ियों से भरे ट्रक और पेट्रोल टैंकर में टक्कर के बाद लगी आग, 9 की मौत

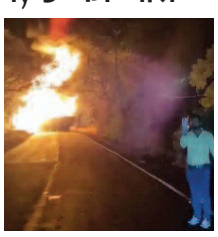

मुम्बई। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में शुक्रवार तड़के हुई एक भीषण दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक और पेट्रोल टैंकर में इतनी भीषण टक्कर हुई कि दोनों वाहनों में आग लग गई। ट्रक लकड़ियों से भरा था, इसलिए आग को फैलने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। ट्रक में बैठे 7 लोग और पेट्रोल टैंकर में बैठे 2 लोग आग की चपेट में आ गए और सभी ने मौके पर दम तोड़ दिया। हादसे में शव इतनी बुरी तरह से जल गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। इस भीषण दुर्घटना के बाद कई घंटों तक चंद्रपुर शहर की ओर जाने वाली सड़क जाम रही। हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार देखने को मिली। वहीं, आग की लपटों से पास के जंगल में आग लग गई। चंदरपुर सब डिवीजनल पुलिस अफसर सुधीर नंदनवार ने बताया कि शहर के मुख्य मार्ग पर अजयपुर गांव के पास ट्रक, टायर के फटने के बाद वह अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे टैंकर से टकरा गया और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना के बाद टैंकर से पेट्रोल फैलने की वजह से आसपास के कई पेड़ जल गए हैं। आग तड़के चार बजे के आसपास लगी थी और इस पर शुक्रवार सुबह 11 बजे पूरी तरह काबू पाया गया। चंद्रपुर से फायर बिग्रेड की एक दर्जन गाड़ियों को आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर बुलाया गया था। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि अजयपुर से अग्निशमन दल के लोग इस दुर्घटना के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने में कई घंटे लग गए।

आजम खान का अखिलेश यादव पर बड़ा हमला

कहा: जड़ में अपनों ने ही डाला जहर

रामपुर। सीतापुर जेल से बाहर निकल रामपुर पहुंचते ही आजम खान ने इशारों में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर बड़ा हमला किया है। आजम के परिवार ने पहले ही उपेक्षा का आरोप लगाकर साफ कर दिया था कि अखिलेश यादव पार्टी के दिग्गज नेता का भरोसा खो चुके हैं। अब आजम ने कार्यकताओं के बीच कहा कि ज्यादा जुल्म अपनों ने ही किया है। उन्होंने यहां तक कहा कि दरख्तों की जड़ों में अपनों ने ही जहर डाला है। आजम खान ने जेल में बिताए अपने समय को बेहद कठिन बताते हुए कहा, "हमें

जेल में ऐसे रखा गया जैसे अंग्रेजों के जमाने में उन कैदियों को रखा जाता था जिन्हें दो-तीन दिन में फांसी होने वाली होती थी। हमारे बैरक के पास ही फांसी घर भी था। हमने जेल में कैसे वक्त गुजारा है, हम ही जानते हैं। पत्नी और बच्चे के आने के बाद बहुत तन्हा महसूस किया। जेल में सुबह होती थी तो शाम का इंतजार और शाम होती थी तो सुबह का इंतजार रहता था मेरे परिवार के साथ जो हुआ कभी नहीं भूल सकते।" घर पहुंची भीड़ का शुक्रिया अदा करते हुए आजम खान ने कहा कि हम पर ज्यादातर जुल्म हमारे अपनों ने किया। इन सूखे दरख्तों की जड़ों में जहर डालने वाले हमारे अपने हैं। माना जा रहा है कि आजम खान का इशारा अखिलेश यादव की ओर है। हाल ही में आजम के करीबियों ने खुलकर आरोप लगाया था कि अखिलेश यादव ने बुरे वक्त में साथ नहीं दिया। इसके बाद आजम खान ने अखिलेश यादव की ओर से भेजे गए दूतों से मिलने से इनकार कर दिया था। आजम खान ने कहा, "मेरे शहर को उजाड़ दिया था, सिर्फ इसलिए कि यहां तुम्हारी आबादी है।

ज्ञानवापी पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश: वाराणसी जिला जज 8 हफ्ते में सुनवाई पूरी करें

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को तीसरी बार बैठी। तीन जजों की बेंच ने केस वाराणसी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट को ट्रांसफर कर दिया। यानी अब मामले की सुनवाई बनारस के जिला जज करेंगे। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने 51 मिनट चली सुनवाई में साफ शब्दों में कहा कि मामला हमारे पास जरूर है लेकिन पहले इसे वाराणसी जिला कोर्ट में सुना जाए। कोर्ट ने कहा कि जिला जज 8 हफ्ते में अपनी सुनवाई पूरी करेंगे। तब तक 17 मई की सुनवाई के दौरान दिए गए निर्देश जारी रहेंगे। बता दें कि 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में तीन बड़ी बातें कही थीं। पहला- शिवलिंग के दावे वाली जगह को सुरक्षित किया जाए। दूसरा- मुस्लिमों को नमाज पढ़ने से न रोका जाए। तीसरा- सिर्फ 20 लोगों के नमाज पढ़ने वाला ऑर्डर अब लागू नहीं। यानी ये तीनों निर्देश अगले 8 हफ्तों तक लागू रहेंगे। इसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा। कोर्ट ने इतना कहने के बाद मामले में आगे की सुनवाई वाराणसी जिला कोर्ट के हवाले कर दी। कोर्ट ने कहा कि मामला जिला जज के पास भेजा जाए। उनके पास 25 साल का लंबा अनुभव है। इस मामले में सभी पक्षों के हित को सुनिश्चित किया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह न समझा जाए कि हम मामले को निरस्त कर रहे हैं। आपके लिए आगे भी हमारे रास्ते खुले रहेंगे। मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि रिपोर्ट लीक कर माहौल बिगाड़ने की साजिश रची जा रही है।

सिद्धू ने पटियाला कोर्ट में किया सरेंडर

समर्थकों के साथ पहुंचे अदालत

लखनऊ। नवजोत सिंह सिद्धू ने शुक्रवार को पटियाला कोर्ट में सरेंडर कर दिया। वे अपने समर्थकों के साथ कोर्ट पहुंचे। सिद्धू अपने साथ कपड़ों का एक बैग लेकर गए हैं। अब उन्हें माता कौशल्या अस्पताल में मेडिकल के लिए ले जाया गया है। इसके बाद उन्हें पटियाला जेल भेज दिया जाएगा। सुबह सिद्धू ने सुप्रीम कोर्ट से समर्पण करने के लिए समय मांगा था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने ठुकरा दिया है। सरेंडर करने जाने से पहले सिद्धू के पटियाला स्थित आवास पर समर्थकों का जमावड़ा लगा रहा। पूर्व सांसद डॉ. धर्मवीर गांधी भी सिद्धू से मिलने पहुंचे। वहीं प्रियंका गांधी ने भी सिद्धू को फोन किया और कहा कि कांग्रेस आपके साथ है, आप स्ट्रांग रहिए। इससे पहले जस्टिस एएम खानविलकर ने सिद्धू को आवेदन दाखिल करने के लिए कहा था। हालांकि चीफ जस्टिस ने विशेष पीठ के गठन की मांग करने के लिए वकील द्वारा उल्लेख करने के आग्रह को ठुकरा दिया। इसके तहत अब नवजोत सिद्धू को आज ही समर्पण करना होगा। बताते चलें कि सिद्धू के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए

अपने मुवक्किल के आत्मसमर्पण के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी को एक उचित आवेदन पेश करने और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बेंच के समक्ष इसका उल्लेख करने के लिए कहा था।

27 दिसंबर 1988 की शाम सिद्धू अपने दोस्त रुपिंदर सिंह संधू के साथ पटियाला के शेरवाले गेट की मार्केट में पहुंचे थे। मार्केट में पार्किंग को लेकर उनकी 65 साल के बुजुर्ग गुरनाम सिंह से कहासुनी हो गई। बात हाथापाई तक जा पहुंची। इस दौरान सिद्धू ने गुरनाम सिंह को मुक्का मार दिया। पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में सिद्धू को मात्र एक हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने इस पर पुनर्विचार याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को 15 मई 2018 को दरकिनार कर दिया था जिसमें रोडरेज के मामले में सिद्धू को गैरइरादतन हत्या का दोषी ठहराते हुए तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धू को एक 65 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक को जानबूझकर चोट पहुंचाने का दोषी माना था लेकिन उन्हें जेल की सजा नहीं दी थी और 1000 रुपये का जुमार्ना लगाया था। भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत इस अपराध के लिए अधिकतम एक साल जेल की सजा या 1000 रुपये जुमार्ने या दोनों का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, हाथ भी अपने आप में एक हथियार हो सकता है, अगर एक बॉक्सर, पहलवान, क्रिकेटर या बेहद तंदुरुस्त व्यक्ति पूरे झटके से इसका इस्तेमाल करे। ऐसे में केवल जुमार्ना लगाकर सिद्धू को छोड़ देना ठीक नहीं है।पीठ ने सिद्धू को धारा-323 (गंभीर चोट पहुंचाने) का ही दोषी माना और इस अपराध के तहत दी जाने वाली अधिकतम एक वर्ष कैद की सजा सुनाई।

पहले बेटे की चाकू से गर्दन रेती और फिर बहू को मार डाला, पिता बोला-मुझे कोई पछतावा नहीं है

कानपुर। बेटे और बहू की हत्या करने के बाद भी दीप तिवारी को कोई पछतावा नहीं है। पुलिस से पूछताछ में वह बोला कि मुझे अपने किए पर कोई अफसोस नहीं है। छह माह से मैं जो नरक से गुजरा हूं बस उसका कारण मत पूछिए। दीप तिवारी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसके सामने समस्याओं का अंबार था। समझ नहीं आ रहा था कैसे इनसे पार पाएं। इस कारण उसने यह कदम उठा लिया। दीप ने कहा कि उसे कोई अफसोस नहीं है जब उससे पूछा गया कि किन कारणों से आपने इतना बड़ा कदम उठाया। तब वह बोला कि वजह न पूछिए। दीप ने पुलिस के सामने पूरे घटनाक्रम को विस्तार से बताया। उसने कहा कि रात में लगभग साढ़े नौ बजे उसने पूरे परिवार के साथ खाना खाया। उसके बाद वह नीचे कमरे में रह गया। बड़ा बेटा मोनू, शिवम और जूली ऊपर छत पर टहलने निकल गए। नीचे पिता ने आधा घंटा यही सोचा कि कैसे दोनों की हत्या करनी है। दीप उसके बाद ऊपर छत पर चला गया और थोड़ी देर बात बेटा और बहू नीचे आ गए। वह बड़े बेटे के साथ छत पर सोने के लिए रुक गया।

अलर्ट! बैंक अकाउंट में 342 रुपये रखना है जरूरी, वर्ना 4 लाख रुपये का होगा नुकसान

लखनऊ। आपके बैंक अकाउंट में 342 रुपये नहीं हैं तो 4 लाख रुपये तक का नुकसान हो सकता है। दरअसल, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) को सालाना रिन्यू कराने की आखिरी तिथि 31 मई है। अगर आपने इन दोनों योजनाओं को रिन्यू नहीं कराया तो 4 लाख रुपये तक की बीमा से वंचित रह सकते हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमाः इस योजना के तहत किसी भी कारण से होने वाली मौत के लिए कवरेज दी जाती है। इस योजना से जुड़ने के लिए उम्र सीमा 18-50 वर्ष है। 50 वर्ष की आयु से पहले योजना में शामिल होने वाले लोग प्रीमियम का भुगतान करने पर जीवन के जोखिम का कवरेज 55 वर्ष की आयु तक प्राप्त कर सकते हैं। लाभः 330 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम भुगतान पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर, चाहे मृत्यु किसी भी कारण से हुई हो। रजिस्ट्रेशनः योजना के तहत रजिस्ट्रेशन, खाताधारक के बैंक की शाखा / बीसी पॉइंट या वेबसाइट पर जाकर या डाकघर जाकर किया जा सकता है। योजना के तहत, प्रीमियम का भुगतान ग्राहक द्वारा केवल एक बार दिए गए आदेश के आधार पर बैंक खाते से ऑटो- डेबिट द्वारा किया जा सकता है। इसके डिटेल जानकारी के लिए वेबसाइट लिंक पर विजिट कर सकते हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमाः यह योजना दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु या दिव्यांगता के लिए कवरेज देती है। योजना से जुड़ने की उम्र अवधि 18-70 वर्ष है। दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु या दिव्यांगता के लिए 2 लाख रुपये (आंशिक दिव्यांगता के मामले में 1 लाख रुपये) का दुर्घटना मृत्यु सह दिव्यांगता कवर है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त की बैठकः सीईसी और ईसी को अब नहीं मिलेगा आयकर लाभ, केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्णय

नई दिल्ली। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शुक्रवार को चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे के साथ चुनाव आयोग की पहली बैठक की। जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) को उपलब्ध भत्तों और विशेषाधिकारों की समीक्षा की गई। चुनाव आयोग ने इस बात की जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, आयोग ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि सीईसी और ईसी वर्तमान में कोई भी आयकर लाभ नहीं मिलेगा। इसमें उन्हें मिलने वाला सम्पचुरी भत्ते पर आयकर छूट भी शामिल भी शामिल है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि

सीईसी और ईसी को एक साल में मिलने वाले तीन एलटीसी के स्थान पर केवल एक एलटीसी का लाभ उठा पाएंगे। जिसपर उचित कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार ने 15 मई को 25वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जिम्मेदारी संभाली। वह एक सितंबर, 2020 से बतौर निर्वाचन आयुक्त, चुनाव आयोग से जुड़े थे। उन्होंने सुशील चंद्रा का स्थान लिया है, जो शनिवार शाम को सेवानिवृत्त हो गए। उनके समक्ष पहली जिम्मेदारी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव कराने की होगी। राजीव कुमार 1 सितंबर, 2020 से चुनाव आयुक्त के रूप में चुनाव आयोग में कार्यरत हैं। चुनाव आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, 2020 में बिहार की राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव हुए हैं, मार्च में कोविड संक्रमण के बीच असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में चुनाव हुए हैं। राजीव कुमार का जन्म 19 फरवरी, 1960 को हुआ था। वे 1984 बैच के आईएएस अफसर हैं। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं में 36 साल तक काम किया। केंद्र के कई मंत्रालयों के अलावा उन्होंने अपने बिहार-झारखंड कैडर में भी लंबे समय तक सेवाएं दीं। राजीव कुमार बीएससी के साथ वकालत में एलएलबी, पीजीडीएम और लोक नीति से एमए भी किया है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक, पर्यावरण-वन, मानव संसाधान, वित्त और बैंकिंग सेक्टर में भी काम किया है। वे फरवरी 2020 में ही केंद्रीय वित्त सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। राजीव कुमार को एक सितंबर 2020 को चुनाव आयोग में आयुक्त के तौर पर नियुक्ति मिली थी। नियमों के मुताबिक, चुनाव आयुक्त का कार्यकाल छह साल या 65 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) उस समय तक होता है। चूंकि, कुमार का जन्म फरवरी, 1960 को हुआ था, इसलिए उनका कार्यकाल 2025 तक है।

सार समाचार

कुपवाड़ा में सेना ने घुसपैठ की कोशिश को किया नाकाम, एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को एक आतंकवादी को मार गिराया और घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, सैनिकों को दर्शन पोस्ट के पास नियंत्रण रेखा पर कुछ संदिग्ध गतिविधि दिखाई दी और इसने घुसपैठियों को चुनौती दी, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने बताया कि अन्य आतंकवादियों की तलाश में अभियान जारी है।

सीबीआई ने आम्रपाली पर 230 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आम्रपाली लेजर वैली डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक अनिल शर्मा एवं कुछ अन्य लोगों के खिलाफ 230 करोड़ रुपये से अधिक की कथित बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सीबीआई अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने कथित तौर पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र और आंध्रा बैंक के साथ 230 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की है। प्राथमिकी के मुताबिक, इन बैंकों ने उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा केटेक जोन-4 इलाके में 1.06 लाख वर्ग मीटर भूखंड पर एक आवासीय भवन विकसित करने के लिए ऋण की मंजूरी दी थी। कंपनी यह कर्ज चुकाने में विफल रही, जिसके बाद 31 मार्च, 2017 को उनके खाते को गैर-निष्पादित संपत्ति घोषित कर दिया गया था। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शिकायत में आरोप लगाया है कि इस रवैये से बैंक को 230.97 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। आम्रपाली समूह के फ्लैट खरीदारों के एक समूह ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में वादा किए गए फ्लैटों की समय पर आपूर्ति नहीं होने पर उच्चतम न्यायालय में शिकायत की थी। आम्रपाली डेवलपर्स का 42,000 फ्लैट विकसित करने और बेचने का वादा था। इस मामले में सर्वोच्च अदालत ने कंपनी की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करने के लिए फॉरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया था। सीबीआई ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) एवं धारा 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

6 करोड़ आबादी वाला फ्रांस राफेल बना रहा 130 करोड़ का देश मंदिर-मस्जिद खोद रहा: शिवसेना

नई दिल्ली । शिवसेना ने ज्ञानवापी मस्जिद मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय के जरिए शिवसेना ने कहा है कि इन मुद्दों के जरिए ही भाजपा 2024 लोकसभा चुनाव इन मुद्दों पर लडेगी। साथ ही पार्टी ने भारत की तुलना फ्रांस से की है और काशी-मथुरा मामले को लेकर कश्मीर घाटी में हिंदू पंडितों के 'दमन' का मुद्दा उठाया है। साढ़े 6 करोड़ जनसंख्या वाला देश फ्रांस 'राफेल' बनाकर हमें बेच रहा है और 130 करोड़ लोगों का देश रोज मंदिर-मस्जिद और अवशेषों का उत्खनन कर रहा है। इसी को कुछ लोग विकास समझते होंगे तो उन्हें साष्टांग दंडवत।' इस दौरान पार्टी ने काशी-मथुरा, ताजमहल, जामा मस्जिद को लेकर जारी खबरों का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा, 'भाजपा के विकास का मॉडल इस तरह से चल रहा है। हनुमान चालीसा, भोंगा प्रकरण बहुत ज्यादा नहीं चला। हर बार कोई नई राम कहानी अथवा कृष्ण कथा रची जाती है। इसका मूल रामायण-महाभारत से कोई संबंध नहीं होता है। लेकिन लोगों को उकसाते रहना है, ऐसा धंधा चल रहा है।' शिवसेना ने सरकार पर कश्मीर घाटी की स्थिति की अनदेखी करने के भी आरोप लगाए हैं। पार्टी ने लिखा, 'अयोध्या तो झांकी है, काशी-मथुरा बाकी है' यह घोषणा हिंदुत्ववादियों को सुख पहुंचानेवाली है ही, परंतु कश्मीर घाटी में हिंदू पंडितों का जो दमन फिर से शुरू हुआ है, वह मुद्दा भी काशी-मथुरा जितना ही गंभीर है। उस ओर सुविधानुसार अनदेखी चल रही है।' बीते सप्ताह राउत ने कहा था कि राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद और ऐसे में जब भगवान राम का मंदिर बन रहा है, तो देश को स्थिरता की जरूरत है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राउत ने कहा, 'मुझे लगता है कि 2024 की तैयारियां इस तरह से की जा रही हैं कि देश में तनाव पैदा करने के लिए सभी ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की खुदाई की जा रही है।

शरद पवार पर ट्वीट कर फंसा एक और शख्स कई एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट पर पुलिस कार्रवाई का एक और मामला सामने आया है। खबर है कि ठाणे पुलिस नासिक से एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। खास बात है कि इससे पहले मराठी एक्ट्रेस केतकी चिताले के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई हुई थी। उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। ठाणे पुलिस ने फार्मेसी के छात्र निखिल भामरे को नासिक से गिरफ्तार किया है। ठाणे पुलिस ने भामरे की तीन दिनों की न्यायिक हिरासत की मांग की है। जबकि, छात्र के वकीलों ने इसका विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि यह बाद में दर्ज की गई एफआईआर है, क्योंकि शुरुआती एफआईआर नासिक में दर्ज की गई थी, जिसके चलते छात्र पहले ही न्यायिक हिरासत में है। भामरे के वकील सुरेश कोलटे और आदित्य मिश्रा ने जमानत के लिए आवेदन दे दिया है, जिसपर इस सप्ताह सुनवाई की जाएगी। वकीलों ने कोर्ट को बताया कि छात्र का 6वें सेमेस्टर की परीक्षा थी और गिरफ्तारी के कारण वह छूट गई। भामरे ने 11 मई को ट्विटर पर बारामती के एक नेता को लेकर ट्वीट किया था। बारामती पवार का क्षेत्र है। इसके बाद राकंपा नेता और मंत्री जीतेंद्र आवहाड ने भामरे के ट्वीट को लेकर ट्वीट किया और साथ में मुंबई पुलिस, ठाणे पुलिस और महाराष्ट्र पुलिस निदेशक को टैग किया। उन्होंने छात्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके तुरंत बाद ही भामरे को पहले नासिक पुलिस ने गिरफ्तार किया और दो दिनों की पुलिस हिरासत के बाद स्थानीय कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हालांकि, जिस दिन छात्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, तब ठाणे से पुलिसकर्मी भी वहां नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को लेकर हिरासत की मांग कर रहे थे।

फर्जी था हैदराबाद एनकाउंटर पुलिस वालों पर चले हत्या का केस

नई दिल्ली । हैदराबाद में 2019 में महिला डॉक्टर से रेप और मर्डर के 4 आरोपियों को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराने का दावा किया था। लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित किए गए पैनल ने फर्जी करार दिया है। पैनल ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी और 2019 में हुई मुठभेड़ को फर्जी करार दिया। इसके साथ ही एनकाउंटर में शामिल 10 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हत्या का केस चलाए जाने की भी सिफारिश की। पैनल ने कहा कि पुलिस की ओर से दावा किया गया था कि रेप और हत्या के आरोपियों ने उनसे पिस्तौल छीन ली थी और भागने का प्रयास किया था, लेकिन ये गलत पाए गए हैं। पैनल ने कहा कि पुलिस की ओर से किए गए दावों पर विश्वास नहीं किया जा सकता और मौके पर मिल सबूत भी इसकी पुष्टि नहीं करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिसकर्मियों ने जानबूझकर गोलियां चलाई थीं और उन्हें पता था कि ऐसा करने पर उन लोगों की मौत भी हो सकती है। इसलिए यह एनकाउंटर फर्जी है और पुलिस के दावे गलत प्रतीत होते हैं। बता दें कि इसी साल जनवरी में जस्टिस सिरपुरकर कमिशन ने सुप्रीम कोर्ट को इस एनकाउंटर के मामले में अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी थी। यह रिपोर्ट सील लिफाफे में दी गई थी, जिसे लेकर अब जाकर खुलासा हुआ है। बता दें कि 2019 में 27 साल की पशु चिकित्सक को किडनैप कर लिया गया था। इसके बाद उनके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया गया और उनकी हत्या कर शव को दरिंदे एक पुल के नीचे फेंक दिया था।

राजनाथ सिंह की चेतावनी- भारत अब कमजोर देश नहीं रहा, किसी ने हमें छेड़ा तो हम छोड़ेंगे नहीं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए पुणे पहुंचे थे। यहां उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिना नाम लिए चीन और पाकिस्तान को बड़ा संदेश दे दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ तौर पर कह दिया कि भारत अब कमजोर देश नहीं रहा है और अगर इसे किसी ने छेड़ने की कोशिश की तो यह छोड़ेगा नहीं। अपने बयान में राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत की ओर आंख उठाकर नहीं देख सकती है। भारत अब कमजोर देश नहीं बल्कि दुनिया का ताकतवर देश बन चुका है। हम किसी को छेड़ेंगे नहीं लेकिन कोई हमें छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं।

भाजपा कार्यकताओं से उन्होंने कहा कि आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि आप किसके सदस्य हैं। बीजेपी सिर्फ देश की नहीं दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने कहा कि जिस विचारधारा से हमने अपनी यात्रा शुरू की, उससे पता चलता है कि हम सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन किया, दूसरों ने भी किया...गरीबी, बेरोजगारी-आजादी के कई साल बाद लोगों को बुनियादी समस्याओं का सामना करना पड़ा। यह मत कहो कि हमने सब कुछ सुलझा लिया है, लेकिन पीएम मोदी का काम अब धरातल पर दिखाई दे रहा है। राजनाथ ने कहा कि भारत की अब दुनिया में इज्जत है। दूसरे देशों के भारतीय निवासियों ने मुझे बताया है कि वे अब सम्मानित महसूस करते हैं। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारतीय कुछ कहते थे, किसी ने नहीं सुना। अब, पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा हथियार केवल बाहर से खरीदे जाते थे। भारत में कुछ भी नहीं बनता था। टैंक, रॉकेट, मिसाइल और गोला-बारूद सभी आयात किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने 309 वस्तुओं की एक सूची बनाई है जो एक निश्चित तिथि के बाद बाहर से नहीं खरीदी जाएंगी। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारा देश - सबसे बड़ा आयातक माना जाता है -

अब रक्षा में निर्यात करने वाले शीर्ष 25 देशों में है।

हिन्दी विवाद के बीच पीएम मोदी बोले- भारतीय भाषाओं को भारतीयता की आत्मा मानती है भाजपा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

आज से राजस्थान में शुरू हुए भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में भाषा को लेकर हो रहे विवाद पर अपनी टिप्पणी की। बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि भाषाओं के आधार पर विवाद पैदा करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा हर क्षेत्रीय भाषा में भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब देखती है और उन्हें पूजा के योग्य मानती है। हमने नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में हर क्षेत्रीय भाषा को महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता देना, हर क्षेत्रीय भाषा के प्रति हमारे कमिटमेंट को दिखाता है। भाजपा, भारतीय भाषाओं को भारतीयता की आत्मा मानती है और राष्ट्र के बेहतर भविष्य की कड़ी मानती है।

परिवारवाद की राजनीति पर प्रहार

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिवारवाद की राजनीति पर भी जबरदस्त प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही वंशवाद और परिवार वाद ने देश का कितना भयंकर नुकसान किया है। परिवारवादी पार्टियों ने देश में भ्रष्टाचार को, धांधली को, भाई-भतीजा वाद को, इसी को आधार बनाकर देश का बहुत मूल्यवान समय बर्बाद किया है। उन्होंने कहा कि मैं आज के युवाओं की भाषा में कहूं, तो जो भारत के समृद्ध भविष्य के code लिखने के लिए लालायित हैं, ऐसे हर युवा को हमें भाजपा के साथ जोड़ना है। हमें ये याद रखना है कि परिवारवाद की राजनीति से विश्वासघात खाने वाले देश के युवाओं का विश्वास सिर्फ भाजपा ही लौटा सकती है।

विपक्ष पर निशाना

मोदी ने कहा कि हम देख रहे हैं कि आज कुछ पार्टियों का इकोसिस्टम पूरी शक्ति से देश को मुख्य मुद्दों को भटकाने में लगा हुआ है। हमें कभी ऐसी पार्टियों के जाल में नहीं फंसना है। उन्होंने कहा कि जिस एक और विषय पर हमें निरंतर काम करते रहना है वो है देश में विकास वाद की राजनीति की चौतरफा, चारो दिशा में स्थापना होनी चाहिए। कोई भी दल हो, उसको भी विकासवाद की राजनीति पर आने के लिए मजबूर करना है। मोदी ने कहा कि मैं सैचुरेशन की बात करता हूं। सैचुरेशन सिर्फ पूर्णता का आकंड़ा भर नहीं है। ये भेदभाव, भाई-भतीजावाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार के चंगुल से देश को बाहर निकालने का माध्यम है।

योगी सरकार का बड़ा कदम 4.5 लाख से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली । योगी सरकार लोगों तक सभी सुविधाओं को आसानी से पहुंचाने के साथ ही युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश सरकार गांवों 1.80 लाख सीएससी (कामन सर्विस सेंटर) खोलने जा रही है। इससे 4.5 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। योगी सरकार ने अगले पांच वर्षों में प्रदेश में सभी परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही सरकार चाहती है कि लोगों को सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़े। इसी को देखते हुए योगी सरकार की अगले पांच वर्षों में गांवों में 1.80 लाख सीएससी खोलने की योजना है। इसके जरिए 4.50 लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। सरकार की योजना हर ग्राम पंचायत में कम से कम दो सीएससी खोलने की योजना है। सीएससी (कामन सर्विस सेंटर) में सरकारी और गैरसरकारी सेवाओं का लाभ ग्रामीण प्राप्त कर सकते हैं। सीएससी में बहुत सारे डिजिटल काम एक ही जगह पर हो जाते हैं। किसी के खाते में पैसे जमा करना या खाते से पैसे निकालना हो या आनलाइन कोई भी प्रमाणपत्र बनवाना हो तो कामन सर्विस सेंटर के माध्यम से किए जा सकते हैं। इसके जरिए युवा गांव में ही आय का साधन विकसित कर सकते हैं। साथ ही दूसरे को रोजगार भी दे सकते हैं।

कांग्रेस कार्यकताओं की कमलनाथ ने लगाई क्लास, बीजेपी से सीखने की दी नसीहत

भोपाल (एजेंसी)

मध्यप्रदेश में भी राजनीति लगातार जारी है। आने वाले नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस अपनी तैयारी में जुट गई है। अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस लगातार मंथन कर रही है। कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के कार्यकताओं के साथ बैठक में कमलनाथ ने चुनाव जीतने के लिए कई तरह से काम करने को कहा। उन्होंने कांग्रेस कार्यकताओं की भी जमकर क्लास लगा दी। इतना ही नहीं, वह कांग्रेस कार्यकताओं को भाजपा से सीखने की नसीहत भी देखें।

कार्यकताओं को नसीहत

अपने बयान में कमलनाथ ने कहा कि भाजपा का जो जमीन से जुड़ा हुआ व्यक्ति है उसको कोई बोलने नहीं जाता कि तुम यहां जाओ। पर कांग्रेस के लोग इंतजार करते हैं कि कोई आए हमें बोले तभी हम जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी पर आप निर्भर मत रहिए। ये मत कहना कि विधायक आकर करेगा या नेता आकर करेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत सारे नेता हैं जिन्हें मैं पूछता हूं कि पिछली बार आपके गांव का क्या रिजल्ट था, आपके वार्ड का क्या रिजल्ट था। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। सबसे बड़ी माला लेकर आएंगे, सबसे ज्यादा ज़िंदाबाद परन्तु अपना गांव हारेंगे, अपना वार्ड हारेंगे।

प्रदेश बंद को कांग्रेस ने दिया समर्थन

उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण की अनुमति दे दी है। इसके बाद भी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन ने बृहस्तिवार को कहा कि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की अपनी मांग पर दबाव बनाने के लिए वह 21 मई को 'प्रदेश बंद' के आह्वान पर कायम है। इस बीच, कांग्रेस ने ओबीसी संगठन-पिछड़ा वर्ग महासभा द्वारा दिए गए बंद के आह्वान का समर्थन किया है।

सप्ताह के अंत तक केरल पहुंचेगा मानसून, 2009 में 23 मई को केरल पहुंचा था

नई दिल्ली (एजेंसी)

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर जल्दी पहुंचने के बाद दक्षिण पश्चिम मॉनसून केरल की ओर बढ़ रहा है। इसपर मौसम विभाग ने अगले सप्ताह के मध्य तक प्रदेश में इसके दस्तक देने की संभावना जाहिर की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया, सप्ताह के अंत तक केरल में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल बनी रहेंगी।ह्न यदि इस सप्ताह के अंत तक केरल में दक्षिण पश्चिम मॉनसून की शुरूआत होती है, तब हाल के वर्षों में ऐसा पहली बार होगा। जब मानसून जल्द पहुंचेगा, इससे पहले मानसून 2009 में 23 मई को केरल पहुंचा था।

इससे पहले, मौसम विभाग ने पांच दिन पहले 27 मई तक केरल में मॉनसून के शुरूआत की भविष्यवाणी की थी। आम तौर पर केरल में एक जून को मॉनसून पहुंचता है। विभाग ने कहा कि सप्ताह के कई दिन केरल तथा तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी भारी बारिश होने का अनुमान है। कुछ राहत के बाद, गुरुवार को पूरे पश्चिमोत्तर भारत में तापमान बढ़ गया है, बाड़मेर में 47.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ, जो देश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान है।

'370 के समाप्त होने के बाद हालात में कहां आई बेहतरी'

उमर अब्दुल्ला बोले- कहीं पर भी कश्मीरी लोग अपने आपको नहीं करते सुरक्षित महसूस

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को एक बार से केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 370 समाप्त होने के ढाई साल भी हालात में बेहतरी कहां आई ? उन्होंने कहा कि आज कहीं पर भी कश्मीर में लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। दरअसल, उमर अब्दुल्ला आर्टिकल 370 के समाप्त हो जाने के बाद से केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दो-ढाई साल पहले कहा गया था कि कश्मीर की सभी परेशानियों की वजह 370

है और इसके हटते ही हालात ठीक हो जाएंगे। आज ढाई साल हो गए, हालात में बेहतरी कहां आई। मुझे नहीं याद कि इससे पहले टारगेट किलिंग का सिलसिला कब हुआ होगा... लेकिन आज कहीं पर भी कश्मीर में लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं करते। जिन इलाकों से हमने आतंकवाद का खात्मा किया था, उन इलाकों में फिर से आतंकवाद दिख रहा है, तो जाहिर है कि हुकूमत के कहने और करने में काफी फर्क रहा है।

इससे पहले उन्होंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर के लोग मौजूदा प्रशासन से पूरी तरह से ऊब चुके हैं और अपनी पसंद की सरकार बनाने के लिए जल्द चुनाव चाहते हैं। हालांकि, चुनावों के बारे में निर्णय भारत के चुनाव आयोग द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि मैं कहूंगा कि जम्मू-कश्मीर के लोग चाहते हैं कि चुनाव जल्द से जल्द हो जाएं। वे मौजूदा प्रशासन से तंग आ चुके हैं। वे चिंतित हैं। उनकी कोई नहीं सुन रहा है।

गौरतलब है कि 5 अगस्त, 2019 को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 के कुछ प्रावधानों को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) का स्वरूप प्रदान किया था। दरअसल, आर्टिकल 370 की समाप्ति से पहले अचानक से अमरनाथ यात्रा को रोक दिया गया था और सभी श्रद्धालुओं से अपने घरों को लौटने की अपील की गई थी और फिर घाटी के कुछ नेताओं को नजरबंद भी कर दिया गया।

'चीन के पुल बनाने' पर सरकार की प्रतिक्रिया विरोधाभासी, राष्ट्र की रक्षा करें प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने पैंगोंग झील के निकट चीन द्वारा दूसरा पुल बनाए जाने संबंधी खबरों पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया को विरोधाभासी करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि इस तरह के बयान से कुछ नहीं होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए। पार्टी ने सरकार से यह सवाल भी किया कि क्या चीन द्वारा पैंगोंग झील के निकट अवैध निर्माण किया जाना भारत की भौगोलिक अखंडता पर हमला नहीं है?' पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो के पास चीन के दूसरा पुल बनाने की खबरें आने के एक दिन बाद विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा था कि खबरों के अनुसार जिस स्थान पर निर्माण कार्य किया जा रहा है, वह क्षेत्र दशकों से उस देश के कब्जे में है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में यह भी कहा था कि भारत की ऐसे घटनाक्रम पर नजर है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'चीन पैंगोंग पर पहला पुल बनाता है। भारत सरकार कहती है कि हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं। चीन पैंगोंग पर दूसरा पुल बनाता है। भारत सरकार कहती है कि हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं।' उन्होंने कहा, 'भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता। डरे हुए अंदाज में प्रतिक्रिया करने से कुछ नहीं होगा। प्रधानमंत्री को राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए।' कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, 'पैंगोंग झील पर चीन द्वारा दूसरे पुल के निर्माण पर विदेश मंत्रालय का बयान बिरोधाभासी है। विदेश मंत्रालय को सही जानकारी नहीं है तो रक्षा मंत्रालय स्थिति को स्पष्ट क्यों नहीं करता, आखिर देश को अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है ?' उन्होंने सवाल किया, 'क्या यह सही नहीं है कि चीन पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील वाले जिस इलाके में पुल का निर्माण कर रहा है उसे भारत दशकों से चीन द्वारा अनधिकृत 'कब्जे वाला क्षेत्र मानता है? ऐसे में विदेश मंत्रालय की ताजा टिप्पणी से असमंजस की स्थिति पैदा होती है।' खेड़ा ने दावा किया, 'कूटनीति में की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। जहां हमारी वीर सेना दुश्मन को मुंह तोड़ जवाब देती है, वहीं सरकार की ऐसी ढुलमुल टिप्पणी देश के हौसले का मजाक उड़ाती है।' उन्होंने कहा, 'इस साल जनवरी में जब चीन द्वारा पैंगोंग झील पर पहला पुल बनाने की खबरें सामने आईं तो विदेश मंत्रालय ने कहा था कि

यह उस क्षेत्र में स्थित है जो 60 वर्षों से चीन के अवैध कब्जे में है।

सार समाचार

जलवायु परिवर्तन, कोरोना और यूक्रेन युद्ध संकट से वार्षिक वैश्विक जीडीपी वृद्धि में नुकसान संभव

जनेवा । जलवायु परिवर्तन, कोरोना और यूक्रेन युद्ध जैसे संकटों का मुकाबला करने की क्षमता विकसित करने में असफल रहने पर वार्षिक वैश्विक जीडीपी वृद्धि में एक-पांच प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक नए शोध में यह बात कही। डब्ल्यूईएफ ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन, कोरोना और यूक्रेन में युद्ध जैसे संकटों से दुनिया भर में भुख, विस्थापन और असमानता से लेकर आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और वैश्विक वृद्धि पर दबाव जैसी बाधाएं पैदा हो रही हैं। कंपनियों और देशों को जोखिम प्रबंधन पर बेहतर ढंग से काम करने की जरूरत है, ताकि वे अगले संकट के लिए बेहतर ढग से तैयार रहें।' डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक से पहले जारी शोध रिपोर्ट में कहा गया कि संकट का मुकाबला करने की क्षमता विकसित करने में असफल रहने पर वार्षिक वैश्विक जीडीपी वृद्धि में एक से पांच प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, कोरोना के कारण कार्यबल में छंटनी से कुछ देशों में वृद्धि 3.6 प्रतिशत तक प्रभावित हुई, जबकि ऊर्जा संकट तथा आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 1-2.5 प्रतिशत तक कमी आई।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी 21 मई को चीन की यात्रा पर जाएंगे

इस्लामाबाद। चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी के विशेष न्योते पर पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी 21 और 22 मई को बीजिंग की यात्रा करेंगे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि बिलावल की यह यात्रा चीन के साथ पाकिस्तान के राजनयिक संबंध स्थापित होने की 71वीं सालगिरह के मौके पर हो रही है। बयान में कहा गया, 'पिछले महीने पदभार ग्रहण करने के बाद यह विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी।' विदेश विभाग ने बताया कि इस दौरान विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार और वरिष्ठ अधिकारी भी मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। विदेश मंत्री बिलावल इस दौरान वांग यी के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करेंगे। बयान में कहा गया कि दोनों नेता समग्र द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे और विशेष तौर पर चीन-पाकिस्तान के बीच मजबूत व्यापारिक एवं आर्थिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

श्रीलंका में कोई भी व्यक्ति 10,000 डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा नहीं रख सकेगा

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने बुहस्पतिवार को किसी व्यक्ति द्वारा विदेशी मुद्रा रखने की सीमा को 15,000 डॉलर से घटाकर 10,000 अमेरिकी डॉलर करने का फैसला किया है। देश में विदेशी मुद्रा संकट की वजह से आज श्रीलंका के पास ईंधन भुगतान के लिए पैसा नहीं है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने यह फैसला लिया है। श्रीलंका 'फर्स्ट न्यूज' वेबसाइट की खबर के अनुसार, केंद्रीय बैंक के गवर्नर नंदलाल वीरासिंघे ने कहा कि विदेशी मुद्रा विनिमय अधिनियम के तहत किसी के लिए भी विदेशी मुद्रा रखने की सीमा होती है। अभी तक यह सीमा 15,000 डॉलर थी। गवर्नर ने कहा कि 10,000 डॉलर की सीमा के साथ संबंधित व्यक्ति को यह भी बताना होगा कि उसे यह राशि कहां से मिली है। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा रखने वालों को दो सप्ताह की छूट दी जाएगी। इससे अधिक विदेशी मुद्रा को उन्हें बैंकिंग प्रणाली में अपने विदेशी मुद्रा खाते में जमा करना होगा या इसे 'सरेंडर' करना होगा।

भारतीय अमेरिकी सुमदाय के लोगों को भोज में परोसी आम की लस्सी और कटा हुआ आम

वाशिंगटन । वाशिंगटन स्थित 'इंडिया हाउस' में आयोजित भोज के दौरान भारतीय राजदूत तरनजीत संधू ने कहा है कि भारतीय आम न सिर्फ दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती का प्रतीक हैं, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों की ताकत, मजबूती और परिपक्वता को भी दिखाता हैं। संधू ने प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों से कहा कि भारत में आम 5,000 से अधिक वर्षों से उगाए जा रहे हैं और वैश्विक आम उत्पादन में देश की हिस्सेदारी 40 फीसदी से भी ज्यादा है। उन्होंने दावा किया कि आम दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच करीबी रिश्तों को दर्शाते हैं। भोज में मेहमानों को ताजा कटे आम से लेकर आम से बनी लस्सी तक परोसी गई। इस मौके पर संधू ने कहा, 'आम दोस्ती का प्रतीक हैं।

हम भारत और अमेरिका की मजबूत दोस्ती का जश्न मना रहे हैं। कार्यक्रम में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल, ' 'यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर एंड एनिमल एंड प्लांट हेल्थ इंस्पेक्शन सर्विस' और अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अधिकारियों ने भी शिरकत की। संधू ने कहा कि इन अधिकारियों के प्रयासों के बिना 'भारतीय आम आज यहां नहीं होते। साल 2021 के अंत में भारत में आयोजित पिछली भारत-अमेरिका व्यापार नीति के तहत मंत्रिस्तरीय बैठक में दोनों देश एक-दूसरे के बाजार तक पहुंच से जुड़े दशकों पुराने मुद्दों को हल करने को राजी हुए थे। बैठक में इसपर सहमति बनी थी कि अमेरिका भारतीय आम और अनार को अपने बाजारों तक पहुंच उपलब्ध कराएगा, जबकि भारत अमेरिकी चेरी, अल्फाल्फा व सुअर के मांस को भारतीय बाजारों में आने देगा। तब से लेकर दोनों देश इ दिशा में काम कर रहे हैं। संधू ने कहा, 'आम और आम के पत्ते समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक हैं। इन्हें शुभ माना जाता है। मैं आशा करता हूं कि आने वाले महीनों और वर्षों में भारत-अमेरिका संबंध और अधिक ऊंचाइयों पर पहुंचे और ये भारत और अमेरिका के साथ-साथ दुनियाभर के लोगों के लिए समृद्धि लेकर आएं। वहीं, दक्षिण और मध्य एशिया में अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि क्रिस्टोफर विल्सन ने कहा, 'भारत और अमेरिका इस महत्वपूर्ण मुद्दे के समाधान के लिए जो काम कर रहे हैं, उसके ठोस परिणाम देखकर बहुत अच्छा लगा। हमें यकीन है कि भारतीय आमों की वाशिंगटन में पर्याप्त मांग होगी।

यूक्रेन के लड़ाकों के आत्मसमर्पण करने से रूसी कमांडरों पर भी दबाव बढ़ेगा

कीव । ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मारियुपोल के इस्पात संयंत्र में छिपे यूक्रेन के लड़ाकों के बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण करने से रूसी कमांडरों पर भी दबाव बढ़ेगा कि सैनिकों को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण दक्षिण बंदरगाह शहर से कहीं ओर तैनात करे, ताकि पूर्वी यूक्रेन में मॉस्को के अभियान को मजबूती मिले। रूसी प्राधिकारियों ने बताया कि सोमवार से लेकर अब तक मारियुपोल में अजोवस्ताल इस्पात संयंत्र के 1,700 से अधिक लड़ाकों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। यूक्रेन के प्रतिरोध का प्रतीक बने इस संयंत्र में अब भी कुछ लड़ाके मौजूद हैं, लेकिन उनकी संख्या मालूम नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अगर संयंत्र पर कब्जा हो जाता है, तब रूस शहर के सैनिकों का इस्तेमाल पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र डोनबास में कहीं और अभियान को मजबूत करने में करेगा, लेकिन कठोर प्रतिरोध की अवधि इस कवायद को लंबा खींच देगी। मंत्रालय ने ट्वीट किया, युद्ध की शुरूआत से ही मारियुपोल में यूक्रेन के कड़े प्रतिरोध का मतलब है कि इलाके में मौजूद रूसी सैनिकों को प्रभावी रूप से कहीं और तैनात करने से पहले उन्हें फिर से हथियारों से लैस करना होगा।

न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्रमुख्यालय में अमेरिकी विदेशमंत्री एंटोनी ब्लीकन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षापरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

अमेरिकी संसद ने यूक्रेन को 40 अरब डॉलर की मदद संबंधी प्रस्ताव को दी मंजूरी

वाशिंगटन । अमेरिकी संसद ने यूक्रेन और अमेरिका के अन्य सहयोगी देशों को 40 अरब डॉलर की सैन्य, आर्थिक व खाद्य सहायता देने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच कीव को सबसे बड़ी मदद देने की प्रतिबद्धता पर अमेरिकी संसद के दोनों सदनों की मुहर लग गई। अमेरिकी संसद में यह प्रस्ताव 11 के मुकाबले 86 मतों से पारित हो गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सभी, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के ज्यादातर सदस्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन में जहां संसद में दोनों पार्टियों के बीच मतभेद के चलते कई प्रस्ताव गिर गए, वहीं यूक्रेन की मदद संबंधी प्रस्ताव का भारी अंतर से पारित होना इस बात का संकेत है कि डेमोक्रेट और रिपब्लिकन सांसद रूसी आक्रमण से निपटने में कीव को मदद भेजने के मामले में काफी हद तक एकजुट हैं। बाइडन ने एक बयान जारी कर कहा मैं दुनिया को एक स्पष्ट द्विदलीय संदेश भेजने की खातिर कांग्रेस की सराहना करता हूं कि अमेरिकी अवाम यूक्रेन के बहादुर लोगों के साथ खड़ी है, क्योंकि वे अपने लोकतंत्र और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस के चुनाव में छह महीने से भी कम समय बचा है। प्रस्ताव के विरोध में पड़े सभी मत रिपब्लिकन सांसदों ने डाले। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने रिपब्लिकन सांसदों के यूक्रेन की मदद का विरोध करने को 'परेशान करने वाला' बताया।

मोदी-बाइडेन की मुलाकात, जापान और ऑस्ट्रेलियाई पीएम से द्विपक्षीय संवाद, 'मिनी नाटो' की बैठक से क्यों घबराया चीन?

वाशिंगटन (एजेंसी)

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जापान जाएंगे। यहां क्वाड के मंच से अलग अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से उनकी द्विपक्षीय बैठर होनी है। जो बाइडेन आज ही कोरिया और जापान के दौरे पर निकल चुके हैं। बतौर राष्ट्रपति बाइडेन पहली बार किसी एशियाई देश के दौरे पर हैं। बाइडेन की इस यात्रा का लक्ष्य दोनों देशों के नेताओं के साथ संबधों को मजबूत करना है। बाइडेन जापान में क्वाड शिखर सम्मेलन में कई नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं।

11 अप्रैल की वर्चुअल मीटिंग के बाद वन टू वन डॉयलाग

बता दें कि दोनों नेताओं की आखिरी मुलाकात सितंबर 2021 व्हाइट हाउस में हुई थी। तब पीएम मोदी क्वाड देशों की समिट में हिस्सा लेने वाशिंगटन पहुंचे थे और अब दोनों नेता 24 मई को जापान में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले हैं। पीएम मोदी 24 मई को ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों का फोकस 11 अप्रैल 2022 को हुई वर्चुअल मीटिंग की चर्चा को आगे बढ़ाने पर होगा। दोनों के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक डेवलपमेंट पर साझा हितों पर बातचीत हो

सकती है। 24 मई 2022 का दिन भारत-अमेरिका के साथ पूरी दुनिया के लिए बेहद अहम रहने वाला है। पीएम मोदी की जापान और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के साथ भी द्विपक्षीय मुलाकात होनी है।

सदस्य देशों के आपसी संबंधों की मजबूती पर फोकस

जापान की ओर से क्वाड देशों की बैठक के एजेंडे को लेकर कोई भी खुलासा नहीं किया गया है। क्वाड देशों की इस बैठक का मकसद सदस्य देशों के आपसी संबंधों को मजबूत करना है। इस यात्रा का मकसद चीन को संदेश देना भी है कि यूक्रेन पर रूसी हमले के मद्देनजर चीन को प्रशांत क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को विराम देना चाहिए। चीन हमेशा से इन चार देशों के गठजोड़ को अपने खिलाफ मानता है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जैक सुलेवन ने कहा है कि इस यात्रा के जरिये हम जो संदेश भेजने की कोशिश कर रहे हैं वो ये है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देश एक साथ खड़े होकर दुनिया के नियमों को आकार दे सकते हैं।

शिजों आबे ने दी क्वाड की अवधारणा

क्वाड की अवधारणा 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने दी थी और तब भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया की नौसैनाओं ने साझा युद्धाभ्यास भी किया था। लेकिन उसके बाद इस दिशा में कुछ ठोस नहीं किया जा सका। एलएसी पर तनाव के बीच भारत की तरफ से फिर से इसे मजबूत बनाने का प्रयास किया गया। क्वाड एक ऐसा मंच है जिसके जरिये हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चारों प्रमुख आर्थिक शक्तियों ने चीन को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि क्षेत्र में उसके दबदबे की मंशा को स्वीकार नहीं किया जाएगा और उसे कोई भी कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत उठाना होगा।

चीन क्यों चिंतित?

बीजिंग ने इसे मिनी नाटो बताते हुए कहा था कि भारत, अमेरिका समेत चारों देश क्वाड को चीन के खिलाफ मजबूत गठबंधन के तौर पर तैयार करने में जुटे हैं। हाल ही में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा था कि क्वाड ग्रुप अप्रचलित शीत युद्ध और सैन्य टकराव की आशंकाओं में डूबा हुआ है। यह समय की प्रवृत्ति के विपरीत चलता है और इसका खारिज होना तय है।

ऑस्ट्रेलिया के आम चुनाव में अर्थव्यवस्था, चीन और जलवायु प्रमुख मुद्दे

कैनबरा। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव के लिये शनिवार को मतदान होगा, जिसमें महामारी के कारण बढ़ी महंगाई, जलवायु परिवर्तन और चीन से संभावित सैन्य खतरा प्रमुख मुद्दा है। चीन ऑस्ट्रेलियाई तट से 2000 किलोमीटर से भी कम दूरी पर अपना सैन्य अड्डा बना रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन का कन्जरवेटिव गठबंधन चौथी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहा है। मॉरिसन ने अप्रैल में चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया था। इस दौरान उन्होंने मौजूदा सरकार पर भरोसा कायम रखने का आग्रह किया। मॉरिसन का कहना है कि उनकी सरकार कोविड-19 महामारी के चलते होने वाली मौतों को काबू में रखने में कामयाब रही है। ऑस्ट्रेलिया में महामारी के शुरूआती दो साल के दौरान जितनी मौतें हुईं, उनके मुकाबले इस साल अब तक दोगुनी से अधिक मौतें हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया में इस साल कोविड-19 के चलते अब तक करीब आठ हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले साल 2020 और 2021 में केवल 2,239 लोगों की मौत हुई थी। महामारी और यूक्रेन युद्ध के चलते ऑस्ट्रेलिया में महंगाई बढ़ी है। इसके चलते लेबर पार्टी की तुलना में कन्जरवेटिव पार्टी के बेहतर आर्थिक प्रबंधक होने की धारणा पर संशय पैदा हो गया है।

मार्च तिमाही में वार्षिक वृद्धि दर के बढ़कर 5.1 प्रतिशत पहुंच जाने बाद केंद्रीय बैंक ने 11 साल में पहली बार अपनी आधारभूत ब्याज दर 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.35 प्रतिशत कर दी। इसके अलावा चीन की ओर से बढ़ता खतरा भी ऑस्ट्रेलिया के आम चुनाव में छाया हुआ है। चीन ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के निकट मौजूद सोलोमन द्वीप के साथ सैन्य समझौता किया है, जिसको लेकर ऑस्ट्रेलिया चिंतित है। ऑस्ट्रेलिया का कहना है कि युद्ध होने की स्थिति में चीन सोलोमन का इस्तेमाल सैन्य अड्डे के रूप में कर सकता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया सरकार ने वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 26 से 28 प्रतिशत की कटौती करने का लक्ष्य रखा है।

श्रीलंका कर्ज राहत दिलाने की जी7 देशों की घोषणा का स्वागत करता है : विक्रमसिंघे

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने शुक्रवार को जी7 देशों की इस घोषणा का स्वागत किया कि वे सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहे द्वीपीय देश को कर्ज से राहत दिलाने में मदद करेंगे। श्रीलंका 1948 में अपनी आजादी के बाद के सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की भारी किल्लत हो गई है, जिससे महंगाई बढ़ गई है और ईंधन, रसोई गैस, खाद्यान्न व बिजली का संकट पैदा हो गया है। इस चुनौतीपूर्ण दौर में सात देशों के समूह (जी7) ने घोषणा की है कि वह कर्ज राहत दिलाने में श्रीलंका की मदद करेगा। जी7 समूह में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका शामिल हैं। विक्रमसिंघे ने शुक्रवार को ट्वीट किया, 'मैं जी7 देशों की इस घोषणा का स्वागत करता हूं कि वे कर्ज राहत दिलाने में श्रीलंका की मदद करेंगे। श्रीलंका के साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निरंतर भागीदारी आर्थिक संकट से उबरने की दिशा में अहम है।' इस बीच, जापान सरकार ने शुक्रवार को श्रीलंका की मदद के लिए 15 लाख डॉलर का वित्त पोषण देने की घोषणा की।

इस निधि का इस्तेमाल संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) करेगा, ताकि जरूरतमंद बच्चों और परिवारों की खाद्य सहायता की जा सके। श्रीलंकाई प्रधानमंत्री ने बुधवार को कहा था कि उनका देश एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के भुगतान में चूक गया है। इससे श्रीलंका को नया कोष मिलने का रास्ता बंद हो गया है। बताया जा रहा है कि विदेशी मुद्रा संकट से जूझ रहे द्वीपीय देश के लिए बहुपक्षीय संस्थान से वित्त पोषण मिलना बंद होना एक बड़ा झटका साबित होगा।

खाद्य सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभावों के मद्देनजर कमजोर देशों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध : भारत

नयी दिल्ली (एजेंसी)

भारत ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले की आलोचना के मद्देनजर बृहस्पतिवार को कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को असरदार ढंग से कम किया जाए और कमजोर देशों को खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों से बचा लिया जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि असमानता को कायम रखने और कुछ हद तक भेदभाव को बढ़ावा देने वाले खुले बाजार की नीति का तर्क नहीं दिया जाना चाहिए।

अरिंदम बागची ने कहा, खाद्य कीमतों में अनुचित वृद्धि हुई है और यह स्पष्ट है कि जमाखोरी और अटकलें हमारे दृष्टिकोण के मुताबिक ही काम कर रही हैं।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि खाद्य सुरक्षा पर इस तरह के प्रतिकूल प्रभावों को प्रभावी ढंग से कम किया जाए और ऐसे परिवर्तनों के खिलाफ कमजोर देशों की मदद की जाए।

बागची ने यह बात उस सवाल के जवाब में कही, जिसमें उनसे पूछा गया था कि क्या 24 मई को तोक्यो में क्वाड नेताओं के एक शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बैठक में खाद्य सुरक्षा का मुद्दा सामने आएगा। वैश्विक स्तर पर शीर्ष गेहूं उत्पादकों में से एक भारत ने बढ़ती हुई घरेलू कीमतों के मद्देनजर गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बार भीषण गर्मी के कारण गेहूं का उत्पादन उम्मीद से कम हुआ है।

पाकिस्तान के साथ भारत वैसा ही व्यवहार करेगा, जिसके वे हकदार हैं :भारत

जिनेवा । भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में जम्मू-कश्मीर पर 'अनुचित टिप्पणी' करने के लिए पाकिस्तान पर निशाना साधा। भारत ने कहा कि यूएनएससी में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की टिप्पणी एक रटी-रटाई प्रतिक्रिया है,जिसका मकसद भारत के खिलाफ गलत एवं दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार फैलाने के लिए किसी भी मंच और हर विषय का दुरुपयोग करना है। भारत की यह प्रतिक्रिया बिलावल द्वारा सुरक्षा परिषद की एक बैठक में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने और केंद्र-शासित प्रदेश में परिसीमन आयोग की तरफ से की गई हालिया सिफारिशों का मुद्दा उठाए जाने के बाद आई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के दूत राजेश परिहार ने कहा, पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने अनुचित टिप्पणी की है, जो कुछ और नहीं, बल्कि एक रटी-रटाई प्रतिक्रिया है, जिसका मकसद मेरे देश के खिलाफ गलत एवं दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार फैलाने के लिए किसी भी मंच का और हर विषय का दुरुपयोग करना है। परिहार ने कहा, केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहने वाले हैं। इनमें वे इलाके भी शामिल हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। किसी भी देश की ओर से की गई कोई भी बयानबाजी या दुष्प्रचार इस तथ्य को नकार नहीं सकता।

अमेरिका में महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा से लेकर धार्मिक स्वतंत्रता तक के मुद्दों पर हो रहा मानवाधिकार हनन, सीडीपीएचआर रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी)

आपको याद होगा कि यूएस स्टेट डिपार्टमेंट की तरफ से इसी साल 12 अप्रैल को एक रिपोर्ट जारी की गई थी, जिसमें दुनिया के 194 देशों में मानवाधिकारों की स्थिति की समीक्षा की गई। लेकिन इससे भी बड़ा मजाक ये है कि इस रिपोर्ट में अमेरिका ने खुद का एक बार भी जिक्र नहीं किया गया। अब बारी भारत की थी और पूरी दुनिया को मानवाधिकार का पाठ पढ़ाने वाले मानवाधिकार के हनन के नाम पर दुनिया के कई देशों पर प्रतिबंध लगाने और जुबानी हमले करने वाले अमेरिका को आज उसके देश में हो रहे मानवाधिकार के हनन को लेकर एक रिपोर्ट जारी करते हुए बताया गया है कि वहां लोगों के मानवाधिकार कितने सुरक्षित हैं।

अमेरिकी संविधान गुलामी का समर्थन करता है

सीडीपीएचआर ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी संविधान अभी भी गुलामी के समर्थन में खड़ा है और सदियों पहले गुलामी के समर्थन में बनाए गए इसके कुछ हिस्सों को हटाया या बदला नहीं गया है। सीडीपीएचआर की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी संविधान का अनुच्छेद 3, अनुच्छेद 4 गुलाम लोगों को पकड़ने के लिए अधिकृत करता है और अगर कोई गुलाम व्यक्ति भागने की कोशिश करता है तो उसे कड़ी सजा का प्रावधान है। सीडीपीएचआर रिपोर्ट में कहा गया है कि कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क राज्यों के संविधानों में भी नस्लवादी प्रावधान हैं, जो क्रमशः मूल अमेरिकियों को आवास और मताधिकार से वंचित करने के लिए हैं। देश दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र होने का दावा करता है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, न्याय व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अमेरिकी कानून और उसकी अदालतें खुद रंगभेद के गढ़ हैं।

अमेरिका में है नस्लवाद

सीडीपीएचआर ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिका के लोकतंत्र और चुनावी प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका में आज भी कई अश्वेतों के वोटर आईडी कार्ड नहीं बने हैं। कई मौकों पर तो अश्वेतों के वोट तक कि गिनती नहीं की गई ताकि श्वेत जनता जिसे जिताना चाहती है वो जीत जाए। वर्ष 2000 में अमेरिका में वोटिंग फ्रॉड के 1,300 मामले सामने आए थे जिसमें अश्वेतों के बाहुल्य पोलिंग स्टेशन के वोटों वाले बैलट बॉक्स को गायब कर दिया।

किया जाता है धार्मिक भेदभाव

अपनी रिपोर्ट में सीडीपीएचआर ने दावा किया है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से गैर-अब्राहम धर्म, जैसे हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन, भेदभाव का सामना करते हैं। देश के क्षेत्रीय कानून हिंदुओं और बौद्धों को पूजा स्थल बनाने से रोकते हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि छठी और सातवीं कक्षा के इतिहास के पाठ्यक्रम में छात्रों को यह सीखने की आवश्यकता है कि बाइबिल में चमत्कारी घटनाएं कैलिफोर्निया में वास्तविक ऐतिहासिक घटनाएं थीं। इसके विपरीत, पाठ्यपुस्तकों में हिंदू धर्म को क्रूर व्यवहार के लिए चुना गया है, और हिंदू मान्यताओं का उपहास किया गया है।

विश्व स्तर पर मानवीय संकट पैदा करने में अमेरिका की भूमिका

सीडीपीएचआर ने अपनी रिपोर्ट में न केवल अमेरिका में घोर मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर किया है, बल्कि उन लोगों को भी जो देश ने अपनी विदेश नीतियों या युद्धों की शुरूआत के माध्यम से अन्य देशों पर थोपा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति दुनिया के सभी संसाधनों, दुनिया की सारी राजनीति को नियंत्रित करने और दुनिया में हर किसी की राय को प्रभावित करने के उद्देश्य से प्रेरित है। सीडीपीएचआर की रिपोर्ट के अनुसार, इराक में 90 मिलियन से अधिक, सीरिया में 70 मिलियन से अधिक और अमेरिका के कारण अन्यत्र 40 मिलियन से अधिक लोग बेघर हो गए हैं।

5 से 1 अमेरिकी महिला से बलात्कार

अमेरिका में महिला सुरक्षा पर भी सीडीपीएचआर ने अपनी रिपोर्ट में सवाल उठाए हैं और सीडीपीएचआर के मुताबिक 5 से 1 अमेरिकी महिला से बलात्कार या बलात्कार का प्रयास हुआ है। जबकि बच्चों के यौन शोषण की बात करें तो वर्ष 2014 तक अमेरिका में 4 करोड़ से ज्यादा बच्चों थे जिनका यौन उत्पीड़न हुआ था।

सुविचार

मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रंग जाता है। - विनोबा भावे

संपादकीय

आत्ममंथन का वक्त

भले की उदयपुर में संपन्न कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में पार्टी ने नीतियों की उन खामियों को स्वीकार किया है, जिसके चलते पार्टी का पराभव हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जनता का विश्वास हासिल करने को गंभीर जमीनी पहल करने की जरूरत है। पार्टी ने सम्मेलन में स्वीकार किया कि जनता से जुड़ाव टूटा है और इसके लिये पार्टी को सीधे जनता से संवाद की स्थिति बनानी होगी। साथ ही नीतियों से जनमानस से सार्थक संवाद की जरूरत पर भी बल दिया गया। लेकिन एक हकीकत यह भी कि लोगों से सीधे जुड़ने के लिये यात्राओं से ज्यादा कुछ करने की जरूरत होती है। जिसके लिये बड़े बदलाव जरूरी हैं। जिसके लिये क्षेत्रीय राजनीतिक दलों से बेहतर तालमेल भी हो, जिन्हें यह कहकर कांग्रेस खारिज नहीं कर सकती कि उनकी कोई निर्णायक विचारधारा नहीं है। पार्टी को जीवंत बनाने के लिये 'एक परिवार, एक टिकट' के विचार पर अपवादों के साथ सहमति बनाना अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता। हालांकि, पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने 'रोजगार दो' और कश्मीर से कन्याकुमारी तक 'भारत जोड़ो' यात्रा निकालने की बात कही है, लेकिन दरकते जनाधार को हासिल करने के लिये जमीनी स्तर पर व्यापक प्रयासों की जरूरत होती है। दरअसल, अप्रभावी संचार व संवाद की कमजोर प्रणाली ही कांग्रेस की लोकप्रियता में गिरावट की अकेली वजह नहीं है। ऐसे तमाम कारण हैं जिनके चलते कांग्रेस की यह स्थिति हुई है। जिसमें निर्णय लेने में देरी, प्रत्याशियों के चयन में पारदर्शिता का अभाव, अंतिम समय में टिकट वितरण में अराजकता, आक्रामक व तार्किक विरोध का अभाव, केंद्र सरकार के संदिग्ध निर्णयों के खिलाफ जनमत न तैयार कर पाना जैसे कारण भी शामिल रहे हैं। सांप्रदायिकता के खिलाफ विपक्ष को एकजुट न कर पाना तथा आसमान छूती महंगाई के मुद्दे को जन-जन तक न पहुंचा पाना भी कांग्रेसी की विफलता को दर्शाता है। दरअसल, आम जनता से जुड़े और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों के खिलाफ एकजुटता के साथ आवाज बुलंद करने की जरूरत होती है। निस्संदेह, कांग्रेस को इस बात पर विचार करना चाहिए कि पार्टी के शीर्ष नेताओं में शामिल रहे युवाओं का पार्टी की रीति-नीतियों से मोहभंग क्यों होता रहा है। इस बाबत योजना बनाकर पार्टी को आत्ममंथन करना चाहिए कि युवाओं पर महत्वाकांक्षी व वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध न होने के आरोप लगाने के बजाय उनकी ऊर्जा का उपयोग पार्टी के विस्तार के लिये कैसे करना है। इस दिशा में पचास से कम आयु वर्ग के नेताओं के लिये पार्टी में आधे पद आरक्षित करना सार्थक कदम हो सकता है, हालांकि इस फैसले की व्यावहारिकता का अभी मूल्यांकन बाकी है। निस्संदेह, भाजपा ने लंबे समय तक केंद्रीय सत्ता में रही कांग्रेस के खिलाफ जनमत तैयार करने में बेहतर पार्टी संगठन और समर्पित कार्यकर्ताओं का उपयोग किया। इस दिशा में चुनाव प्रबंधन समिति का गठन करने का कांग्रेस का निर्णय स्वागत योग्य है। मगर सिर्फ प्रधानमंत्री की आलोचना करने मात्र से पार्टी को बेहतर परिणामों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। सवाल यह है कि चिंतन शिविर में जिन कदमों को उठाने की घोषणा हुई है क्या उनके जरिये पार्टी खुद को नये वक्त की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल पायेगी? बहरहाल, पार्टी को इस बात का अहसास अच्छे ढंग से हो चुका है कि पार्टी को मौजूदा चुनौतियों से उबारने का कोई छोटा रास्ता बाकी नहीं है। उसे बड़े पैमाने पर कदम उठाकर पार्टी की वापसी सुनिश्चित करनी होगी। देखना होगा कि चिंतन शिविर में घोषित योजनाओं का क्रियान्वयन कितने फुलप्रूफ तरीके से होता है।

आज के कार्टुन

बचपन

आचार्य रजनीश ओशो/ यह जो संगीत के खंड तुम भीतर इकट्ठे कर लोगे, इनको खंडों की भांति इकट्ठा मत करना, इनके बीच संबंध भी खोजना। कठिन है। और जीवन की कला चाहिए। बचपन में तितली के साथ दौड़ कर एक सुख मिला था, वह तुम्हारे भीतर पड़ा है। फिर पहली बार तुम किसी के प्रेम में गिर गए थे, और तब तुमने एक आनंद का अतिरेक अपने में अनुभव किया था, वह भी तुम्हारे भीतर पड़ा है। और तब किसी एक रात सागर के किनारे बैठ कर सागर के गर्जन में तुम डूब गए थे, वह भी तुम्हारे भीतर पड़ा है। और कभी अकारण ही, खाली तुम बैठे थे और अचानक तुमने पाया कि सब मौन और शांत हो गया, वह भी तुम्हारे भीतर पड़ा है। ऐसे दस-पांच अनुभव तुम्हारे भीतर पड़े हैं। ये टुकडे-टुकड़े हैं। इनमें तुमने कभी यह खोजने की कोशिश नहीं की है कि इन सबके भीतर कामन एलिमेंट क्या है? इन सबके भीतर सम-स्वरता कहां है? तितली के पीछे दौड़ता हुआ बच्चा और अपनी प्रेयसी के पास बैठा हुआ युवक-इन दोनों के बीच क्या मेल है? दोनों से सुख मिला है, और दोनों से एक संगीत का अनुभव हुआ है, और दोनों के बीच आनंद की कोई झलक थी, तो जरूर दोनों के बीच कोई तत्व समान होना चाहिए। बात बिल्कुल भिन्न है। तितली के पीछे दौड़ता हुआ बच्चा, अपनी प्रेयसी के पास बैठा हुआ जवान, ऊं का पाठ करता हुआ कोई कहीं इनमें कोई तालमेल ऊपर से नहीं दिखता; लेकिन भीतर जरूर कोई घटना समान है। क्योंकि तीनों कहते हैं, बड़ा आनंद है। तो जरा खोजना कि तितली के पीछे दौड़ते हुए बच्चे को जो सुख मिला था, वह क्या था? एकाग्रता थी, तितली ही रह गई थी। बच्चा दौड़ रहा है उसके पीछे, यह भी उसे पता नहीं था। दौड़ने के साथ एक हो गया था। उसकी आंखें तितली पर बंध गई थीं। चित्त में सारे विचार खो गए थे, क्योंकि तितली पकड़नी थी, उतना ही विचार था। वह भी विचार था, ऐसा कहना कठिन है। एक भाव था। उस भाव-एकाग्रता के कारण सुख का अनुभव हुआ था। फिर जवान हो गया था वही बच्चा जो तितली पकड़ रहा था, फिर वह अपनी प्रेयसी के पास बैठा है एक तारों भरी रात में। तितली और प्रेयसी में कोई संबंध नहीं है, लेकिन इस प्रेयसी के पास बैठ कर वह पुन- एकाग्र हो गया है। बस एक ही भाव रह गया, जगत मिट गया है, यह प्रेयसी ही रह गई है। इस प्रेयसी की मौजूदगी में वह उसी को पीता है। अब कोई दूसरा भाव, कोई दूसरा विचार उसको नहीं पकड़ता। इस क्षण में वह पुन- भाव-एकाग्रता में डूब गया है।

क्या चिंतन के बाद कम होगी कांग्रेस की चिंता?

(लेखक-- सुरेश)

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी ने गंभीर चिंतन कर लिया है, लेकिन इस चिंतन में नया कुछ भी नहीं निकला। कांग्रेस के चिंतन शिविर की मुख्य अवधारणा चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की सुझाई गई बातों पर पर ही केंद्रित होती दिखाई दी। चिंतन के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान इसी पर है कि अब क्या कांग्रेस की चिंता कम होगी। क्योंकि आज की कांग्रेस की स्थिति को देखकर यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस को जिस चिंतन की आज से आठ साल पूर्व आवश्यकता थी, वह अब हुआ है। यानी कांग्रेस ने अपनी पार्टी को दुर्गति से बचाने के लिए बहुत देर कर दी। कांग्रेस को इस प्रकार के चिंतन की आवश्यकता बहुत पहले से रही है, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व ने मात्र इसी बात पर चिंतन किया कि पूरी कांग्रेस पार्टी की कमान गांधी परिवार के पास कैसे रहे? गत दो लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस के भीतर नेतृत्व बदलाव को लेकर आवाज उठी भी थी और गैर कांग्रेस दलों ने परिवारवाद के नाम पर कांग्रेस को इस प्रकार से घेरा कि कांग्रेस का दायरा सिमट गया। इतना होने के बाद भी कांग्रेस एक परिवार के एकाधिकार से बाहर नहीं आ सकी है। कांग्रेस के चिंतन शिविर में भी पूरी कवायद गांधी परिवार के आसपास ही रही। कांग्रेस के चिंतन शिविर में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कांग्रेस नेताओं को जनता के बीच जाना होगा। यानी राहुल गांधी ये तो मानने को तैयार हो गए हैं कि कांग्रेस के नेताओं की जनता से दूरी बढ़ी है। इस चिंतन को एकतरफा निरूपित किया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व कमजोर होने का कारण कांग्रेस नेताओं की बजाय जनता की दूरी भी हो सकती है। कांग्रेस के चिंतन का आधार यह होना चाहिए था कि जनता कांग्रेस से दूर क्यों होती जा रही है। अगर इस पर चिंतन किया जाता तो वे तमाम बातें भी सामने आ जाती जो कांग्रेस के कमजोर होने का मुख्य कारण है। इसमें कांग्रेस नेताओं की कार्यशैली भी जिम्मेदार है। जिसके कारण भारत की जनता कांग्रेस से दूर होती चली गई। कांग्रेस की कार्यशैली की बात करें तो तमाम प्रकार की बातें दिखाई देती हैं, जिसमें एक प्रमुख बात यह भी है कि जिस प्रकार से राहुल गांधी अपने को हिन्दू होने के लिए प्रमाण प्रस्तुत करते हैं, वह नितांत झूंठ है। क्योंकि यह सभी जानते हैं कि राहुल फिरोज खान का नाती है। और उसी खानदान का अंश है। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि अगर राहुल गांधी हिन्दू मानते हैं तो उस समय उनका खून खौल जाना चाहिए, जब देश में रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव पर पत्थर बरसाए जा रहे थे, लेकिन ऐसा लगता है कि राहुल का हिंदुत्व प्रेम केवल चुनावों के समय ही जाग्रत होता है। इस प्रकार की मानसिकता को देश की जनता भलीभांति समझती है। हालांकि जब से कांग्रेस अधोगति के मार्ग पर बढ़ी है, तब से ही कांग्रेस के नेताओं द्वारा कांग्रेस की दशा सुधारने को लेकर बयान दिए हैं, लेकिन उनकी आवाज पर कांग्रेस नेतृत्व ने कोई चिंतन नहीं किया। अगर उस समय ही कांग्रेस विचार करने के लिए तैयार हो जाती, तो संभवत- आज इस प्रकार का चिंतन करने की आवश्यकता नहीं होती। कांग्रेस के बड़े नेता आज या तो गांधी परिवार के सहारे राजनीति कर रहे हैं या फिर किनारे पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक बार जयराम रमेश ने खुले अंदाज में कहा था कि कांग्रेस में अब बुजुर्ग नेताओं के दिन बीत चुके हैं। इसका तात्पर्य यह भी है कि राजनीतिक अस्तित्व रखने वाले कांग्रेस के नेता केवल अपनी दम पर ही कांग्रेस में टिके हुए हैं। हम यह भी जानते हैं कि जनाधार वाले कांग्रेस आज या तो कांग्रेस से दूर जा चुके हैं या फिर जाने का प्रयास कर रहे हैं। ये स्थिति क्यों बन रही है, कांग्रेस को इस पर भी चिंतन करना चाहिए था, लेकिन आज की कांग्रेस इस पर क्यों चिंतन करना नहीं चाहती, यह भी बड़ा सवाल है। कांग्रेस के चिंतन शिविर को लेकर यह भी सवाल उठ रहे हैं कि कांग्रेस को इस समय चिंतन करने की आवश्यकता क्यों हो रही है? इसके पीछे यही कहा जा रहा है कि कांग्रेस को सत्ता चाहिए। मात्र सत्ता के लिए ही यह सब कवायद की जा रही है। इसके लिए कांग्रेस नेतृत्व परिवर्तन भी कर सकती है, लेकिन ऐसा भी लगता है कि वह मात्र जनता को भ्रमित करने के लिए ही होगा। उनका उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना ही है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारी करने के लिए यह चिंतन किया गया है। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि कांग्रेस के चिंतन शिविर में क्या उन बातों पर भी चर्चा हुई होगी, जो नेतृत्व को लेकर उठाए जा रहे थे। सुना यह भी जा रहा है कि इस शिविर में मात्र उन्हीं लोगों को शामिल करने का अवसर दिया गया, जो सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कृपा पर राजनीति की मुख्य धारा में बने हुए हैं। कांग्रेस अगर वर्तमान में प्रासंगिक नेताओं पर ध्यान दे तो उसे चिंतन करने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन कांग्रेस ऐसा करेगी, इसकी गुंजाइश कम ही है। अभी हाल ही में चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा जिस प्रकार से कांग्रेस को आइना दिखाया, वह एक कांग्रेस के लिए बड़ा झटका जैसा ही था। राजनीतिक गुणा भाग करने वाले चिंतक इसका एक अर्थ यह भी निकालते हैं कि प्रशांत किशोर ने गंभीर चिंतन करने के बाद ही कांग्रेस में शामिल होने से इसलिए ही इनकार किया है, क्योंकि अंदरूनी तौर पर कांग्रेस के पास वह राजनीतिक प्रभाव नहीं बचा है, जो उसे उत्थान के मार्ग पर ले जाने में समर्थ हो सके। कांग्रेस के कमजोर होते जाने का एक बड़ा कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेता बिना सोचे कोई भी बयान दे देते हैं। कांग्रेस जिस प्रकार से देश की सरकार को बदनाम करने में अपनी शक्ति लगा रही है, अगर वही शक्ति अपनी पार्टी की दशा सुधारने में लगाए तो बहुत संभव है कि कांग्रेस की स्थिति सुधर जाए, लेकिन ऐसा इसलिए भी नहीं लग रहा है, क्योंकि कांग्रेस को आज भी यही लगता है कि मात्र वे ही देश को चलाने के लिए पैदा हुए हैं। कांग्रेस को इस प्रकार की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। इसके अलावा आज कांग्रेस की विसंगति यह भी है कि वह सरकार के कामकाज में कमियां देखने में ही अपना सारा समय लगा रही है। जो समय के हिसाब से अनुकूल नहीं कहा जा सकता। आज का समय यही कहता है कि जो सच है, उसे सच मान लेना चाहिए। झूठ के सहारे लम्बे समय तक राजनीति नहीं की जा सकती। कांग्रेस को सच को स्वीकार करने का साहस दिखाना चाहिए, फिर चाहे वह सच सरकार का हो या फिर गैर कांग्रेसी दलों का। इसी प्रकार झूठ या देश विरोधी बातें कोई भी करता हो, उसका विरोध करने का सामर्थ्य भी पैदा करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने उन लोगों का भी साथ दिया, जो देश को तोड़ने की बात करते हैं। कांग्रेस के चिंतन शिविर में इस बात का भी चिंतन होना चाहिए कि उसके नेताओं को सरकार की सभी बातों का विरोध करना चाहिए या कुछ बातों का समर्थन भी करना चाहिए। अगर कांग्रेस के चिंतन शिविर में यह चिंतन का विषय नहीं है तो कैसा चिंतन। दूसरी बड़ी बात यह है कि कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की बात भी लम्बे समय से उठ रही है, लेकिन चिंतन शिविर में नेतृत्व परिवर्तन पर कितनी बात हुई, इसकी परिणति आने वाला समय ही बता सकता है। चिंतन शिविर के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व में बदलाव दिखेगा, ऐसा कहा नहीं जा सकता, क्योंकि अभी तक यही माना जाता है कि सोनिया गांधी पुत्र मोह के चलते राहुल के सिंहासन को डिगाना नहीं चाहतीं। इसके पीछे यह भी कारण हो सकता है कि राहुल गांधी के पास इतनी योग्यता नहीं है कि वह अपनी दम पर कांग्रेस की कमान संभाल सकें। अब देखना यह है कि चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस कौन से रास्ते पर जाती है?

केंद्र के ढुलमुल रवैये से कोर्ट क्षुब्ध

अल्पसंख्यकों का निर्धारण/ अनूप भटनागर

ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने विभिन्न मुद्दों का समाधान खोजने के बजाय उसे ज्यादा से ज्यादा समय तक लटकाये रखने की नीति बना रखी है। सरकार के इस रुख की वजह से उसे बार-बार न्यायपालिका की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र के ढुलमुल रवैये की वजह से अभी तक विधि आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति अधर में लटकी है तो राजद्रोह का मामला भी टालमटोल का शिकार बना हुआ है। यही स्थिति कई राज्यों में अल्पसंख्यक होने के बावजूद हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में पहचान नहीं करने के कारण उन्हें इसके लाभ नहीं मिलने से संबंधित है। इस मुद्दे को सुलझाने में तत्परता दिखाने की बजाय इसके प्रति केंद्र के ढुलमुल रवैये से उच्चतम न्यायालय भी अचंभित है। राज्य स्तर पर अल्पसंख्यक की श्रेणी में रहने वाले विभिन्न समुदायों को अल्पसंख्यकों के लाभ उपलब्ध कराने की मांग जोर पकड़ रही है। सवाल उठ रहे हैं कि राज्य स्तर पर अल्पसंख्यक कौन हैं और ऐसे समुदायों की पहचान कर उन्हें अल्पसंख्यकों को मिलने वाली योजनाओं का लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है। इस मामले में शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में केंद्र ने पहले दलील दी थी कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग कानून, 1992 के तहत भाषाई या धार्मिक समुदायों को अल्पसंख्यक घोषित करने के राज्य सरकारों के अधिकारों को छीना नहीं गया है। इस संबंध में मद्रास उच्च न्यायालय का एक फैसला बहुत ही दिलचस्प है, जिसमें अदालत ने कहा है कि कन्याकुमारी में हिन्दू अल्पसंख्यक हैं जबकि जमीनी स्तर पर जनगणना में यह तथ्य परिलक्षित नहीं होता है। इसकी वजह 'क्रिप्टो क्रिश्चियन' होना बताया जाता है। अदालत ने यह टिप्पणी भी की थी कि धर्म के संदर्भ में कन्याकुमारी की जनसांख्यिकीय स्थिति 1980 से ही बदल गयी है और यहां पर हिन्दू अल्पसंख्यक हैं लेकिन 2011 की जनगणना दूसरी तस्वीर पेश करती है। शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में केंद्र का तर्क है कि याचिका में शामिल मुद्दों के दूरगामी प्रभाव हैं और इसलिए सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बगैर लिया गया फैसला देश के लिए जटिलता पैदा कर सकता है। इससे पहले, मंत्रालय ने शीर्ष अदालत से कहा था कि राज्य सरकारें अपने राज्य के भीतर हिंदुओं सहित किसी भी धार्मिक या भाषाई समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित कर सकती हैं। इस संबंध में उसने महाराष्ट्र में 'बहाई' समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित किये जाने का उदाहरण भी दिया था। केंद्र के इस तरह के अलग-अलग रुख अपनाने पर चिंता व्यक्त करते हुए न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश की पीठ ने कहा कि इस तरह के रवैये से कोई लाभ नहीं होगा। ढुलमुल रवैया अपनाने की बजाय उसे इस विषय पर राज्यों के साथ तीन महीने के भीतर परामर्श करके किसी निष्कर्ष पर पहुंचना होगा। देश के पंजाब, कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, लक्षद्वीप, मिजोरम, लद्दाख और नगालैंड सहित कम से कम दस राज्यों में हिंदुत्व, बहाई और यहूदी समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित करने के अनुरोध के साथ शीर्ष अदालत में एक जनहित याचिका लंबित है। इस याचिका पर शीर्ष अदालत ने केंद्र से जवाब मांगा था। उसने केंद्र सरकार के टालू रवैये पर नाराजगी जाहिर की है और कहा है कि ये ऐसे मामले हैं जिनके समाधान की आवश्यकता है और हर मामले में फैसला नहीं सुनाया जा सकता है। याचिकाकर्ता भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय का तर्क है कि लक्षद्वीप और जम्मू कश्मीर में मुस्लिम बहुमत में हैं जबकि असम, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तर प्रदेश और बिहार में इस समुदाय की काफी बड़ी आबादी है लेकिन इन्हें यहां अल्पसंख्यक ही माना जाता है और उन्हें इनके निमित्त लाभ दिये जा रहे हैं। उपाध्याय चाहते हैं कि इन राज्यों में अल्पसंख्यकों की पहचान के लिए न्यायालय केंद्र को दिशा-निर्देश जारी करने का निर्देश दे ताकि अपनी धार्मिक और भाषाई संख्या के आधार पर नगण्य और राजनीतिक रूप से प्रभावहीन समुदाय अपनी पसंद के स्कूल स्थापित कर सकें और उन्हें इनके संचालन का अधिकार मिल सके। शीर्ष अदालत में पहले से ही पांच समुदायों- मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी को अल्पसंख्यक घोषित करने की केंद्र की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका लंबित है। अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय भी लगातार यही तर्क दे रहा है कि इस मामले में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाकर ही इसका समाधान किया जा सकता है। उम्मीद है कि शीर्ष अदालत के कड़े रुख के मद्देनजर केंद्र सरकार शीघ्र संबंधित राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करके किसी स्वीकार्य निर्णय पर पहुंचेगी और इस विवाद को हमेशा के लिए समाप्त करने का प्रयास करेगी।

सू-दोकू नवताल -2121

	3	1		5		2	6	7
	5		6					
		7		1	8	3		
3				4	2	9	7	
		5		7		6		
	2	8	3	9				5
		2	1	8		4		
					5		9	
6	9	4		2		5	8	

सू-दोकू -2120 का हल

1	2	6	5	3	8	9	4	7
8	9	3	4	2	7	5	1	6
5	7	4	1	6	9	3	8	2
3	5	9	6	1	2	8	7	4
2	6	8	9	7	4	1	3	5
7	4	1	3	8	5	2	6	9
4	3	2	8	5	6	7	9	1
9	8	7	2	4	1	6	5	3
6	1	5	7	9	3	4	2	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2121

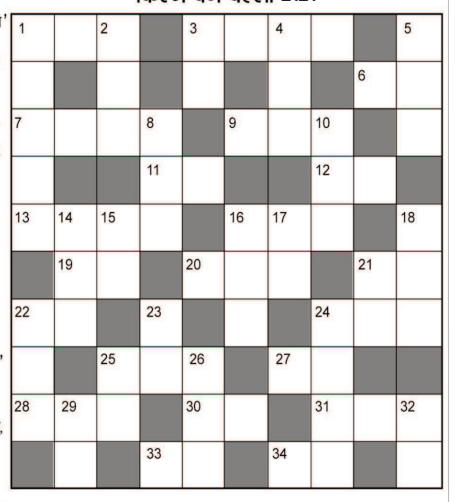

बायें से दायें:-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-3
3. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-2,2
6. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-2
7. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-4
9. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-3
11. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-2
12. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-2
13. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
16. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
19. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-2
20. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-3
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-2
24. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-3
25. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-3
27. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-2
28. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-3
30. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-2
31. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-3
33. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टार रीमेक-2
34. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

16. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-3
17. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-2
18. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-3
21. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-2
22. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
23. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-2
24. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-4
25. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-2
26. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
29. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-2
32. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-2

फिल्म वर्ग पहेली-2120

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज	
मं		हु		न		र	ति		मा	
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना	
	मी		अ	न	जा	वा		रू		
स	र	ज	म		र		स	द	मा	
हे		द	ला	ल		सु	र		ई	
ली	ड	र		ज्ञा		ख		खे	ल	
	कैं		का		सो		आ		व	
रा	त	औ	र	दि	न		रो			
खी			वॉ		म	न	प	सं	द	

1. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-2,3
2. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-3
3. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-2
4. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-3
5. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-3
8. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-3
10. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-3
14. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-3
15. 'विक्टोरिया नं. 203' में प्राण का नाम-2

सब्जियों को दें उन्नत तकनीक की खुराक

सब्जी के पौध रोपण को अच्छा बनाने के लिए व हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिए नेप्थेलिन एसिटिक एसिड, इण्डोल एसिटिक एसिड के द्वारा जड़ों को 0.1-0.2 मि.ग्रा. प्रति लीटर 24 घंटे तक उपचारित करें यह टमाटर, बैंगन व गोभीवर्गीय फसलों में लाभदायक होता है.

पौध वृद्धि हार्मोन्स

पादप हार्मोन्स एक विशेष कार्बनिक यौगिक है जो परिवहन पश्चात पादपों के अन्य अंगों में पहुंचकर अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में वृद्धि तथा उपापचय क्रियाओं को प्रभावित तथा नियंत्रित करते हैं. इन्हें पादप हार्मोन्स कहा जाता है इसको निम्न दो वर्गों में बाँटा गया है :-

आक्जिन

अ. इण्डोल ऐसिटिक एसिड, ब. इण्डोल ब्यूटाइरिक एसिड, स. नेप्थेलिन ऐसिटिक एसिड

जिबरेलिक

अ. जिबरेलिक एसिड
साइटोकाइनिन - काइनेटिन, जियेटिन
वृद्धि रोधक
एबसिसिक एसिड

इथाइलीन

पौध वृद्धि नियामकों का सब्जी उत्पादन में लाभदायक प्रयोग -

प्रसुप्ता अवस्था तोड़ने

(अ) आलू फसल में यदि एक प्रतिशत याथोयूरिया, इथाइलीन क्लोराइड या जिबरेलिक एसिड का उपयोग करते हैं तो प्रसुप्तावस्था को तोड़ा जा सकता है. (ब) आलू को बुवाई पूर्व जिबरेलिक एसिड 0.5 मि.ग्रा. प्रति लीटर व बैंगन में 15-25 पी.पी. एम. तथा लौकी, खरबूजा और तरबूज इत्यादि को एथीफान 500 पी.पी. एम. से 24 घंटे तक बीज को बुवाई से पहले भिगोंये.

लम्बी अवधि वाले पौधों में शीघ्र पुष्पन

आलू, पालक, मिर्च इत्यादि में जल्दी ही फूल आ जाते है जिबरेलिक एसिड 200-800 पी.पी.एम सान्द्र घोल से छिड़काव करना चाहिए व 2,4 डी के 100 पी.पी.एम. घोल का शकरकंद के ऊपर छिड़काव करने से फूल जल्दी आ जाते है. सब्जी के पौध रोपण को अच्छा बनाने के लिए व हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिए नेप्थेलिन एसिटिक एसिड, इण्डोल एसिटिक एसिड के द्वारा जड़ों को 0.1-0.2 मि.ग्रा. प्रति लीटर 24 घंटे तक उपचारित करें यह टमाटर, बैंगन व गोभीवर्गीय फसलों में लाभदायक होता है. सब्जियों को बहुत अधिक सर्दी से बचाने के लिये 0.75 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर साइकोसिल (सी.सी.सी.) का छिड़काव कलिका बनने से पहले आलू की फसल में करने से पौधों में अधिक सर्दी को सहन करने की क्षमता आ जाती है. टमाटर में 0.4 से 0.5 प्रतिशत साइकोसिल और जिबरेलिक एसिड 25 पी.पी. एम. के छिड़काव से इसे सर्दी के प्रति कठोर बनाया जा सकता है. मादा पुष्पों की संख्या बढ़ाने (जिनमें नर व मादा फूल अलग-अलग आते हैं -जैसे कुकरबिटेशी कुल के पौधों में व खीरा, लौकी में जिबरेलिक एसिड का 10-30 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव हो जाता है. जिससे मादा पुष्पों की संख्या में वृद्धि हो जाती है व उपज भी बढ़ जाती है इसके अतिरिक्त खीरा तथा लौकी में मौलिक हाइड्राक्साइड के दो छिड़काव 25 से 50 पी.पी.एम. दो या चार परती अवस्था में करना चाहिए जिससे मादा पुष्पों की संख्या बढ़ जाती है व उपज में वृद्धि हो जाती है. फलों को सुचारू रूप से बनने तथा विकास को नियमित करने में - टमाटर, मिर्च के लिये नेप्थेलिन एसिटिक एसिड का 20 पी.पी.एम. तथा बैंगन के लिये इण्डोल एसिटिक एसिड 50-100 पी.पी.म के घोल का छिड़काव करें जिससे फलों का विकास अच्छी प्रकार से होता है.

पार्थेनोकार्पी व फलों के विकास में - बैंगन तथा कुकरविट्स में 2,4 डी 25-30 पी.पी. एम. व नेप्थेलीन एसिटिक एसिड 200 पी.पी. एम. के घोल का छिड़काव करने से बीज रहित फल का निर्माण होता है. फलों को एक समान पकाने व रंग लाने के लिये- टमाटर को 1000 पी.पी.एम. व मिर्च को 2000-5000 पी.पी.एम. से दो मिनट तक उपचारित करने से फल एक समान पकते हैं व समान रंग आता है जिससे बाजार मूल्य अच्छा मिलता हैं.

पाला से बचाने के लिये

टमाटर व पालक को पाला से बचाने के लिये एसिटिक एसिड का खीरा में जिबरेलिक एसिड 1 पी.पी.एम. का उपयोग किया जाता है.
सब्जियों (टमाटर, मिर्च) के पौधों में फलों के गिरने से बचाने के लिये प्लेनोफिक्स 10-20 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव करें जिससे फलों को गिरने से रोका जा सकता है.
प्याज में इथियान की 500-1000 पी.पी.एम. की 4-5 पत्ती अवस्था में प्रयोग करने से प्याज की गोंढ़ बनना शीघ्र प्रारंभ हो जाती है.
चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण में 2,4 डी का छिड़काव किया जाता है.
उपरोक्त मात्रा को किसान भाई सही मात्रा व सही समय पर प्रयोग करके सब्जियों के उत्पादन में अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं.

पौध वृद्धि नियामकों के प्रयोग के समय रखी जाने वाली सावधानियाँ

- अधिक मात्रा में इनका प्रयोग करने पर यह डेण्डू की वृद्धि एवं विकास के साथ-साथ गुणवत्ता पर हानिकारक प्रभाव डालता हैं.
- इनका प्रयोग सही अनुपात में करना चाहिए अन्यथा यह सिंक एवं सोर्स के संबंध पर हानिकारक प्रभाव डालते हैं. जिससे डेण्डू का गिरना तथा विभिन्न प्रकार के फिजियोलॉजिकल डिस्आर्डर होने की संभावना बढ़ जाती है. ●

यह महंगे होते हैं और बाजार में आसानी से नही मिल पाते है. जिससे किसान इसका प्रयोग अपनी फसलों की उपज बढ़ाने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाते हैं.

प्रदूषित मिट्टी की पहचान एवं समाधान

मिट्टी को उपजाऊ बनाये रखने के लिये आवश्यक है कि उसे क्षरण और प्रदूषण से बचावें। परंतु उससे पहले यह जानना होगा कि क्या मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी से उत्पादकता कम हो रही है या प्रदूषण में जमा हो रहे पदार्थो से उर्वराशक्ति क्षीण हो रही है और यदि मिट्टी में प्रदूषित हो रही है तो उसके कारकों को जाने उवं प्रबंधन करें अन्यथा मनुष्य का जीवन भी सुरक्षित नहीं होगा जिसके कारण वर्तमान समय में नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं। कुछ प्रदूषण के कारक निम्नानुसार हैं:

कृषि रसायनिकों के द्वारा मिट्टी प्रदूषणः परंपरागत खेती में मिट्टी में पोषक तत्वों का चक्र मिट्टी-पौधे-पशु-मिट्टी होता था जो आज की आधुनिक खेती में रसायनिक उर्वरकों के कारण छोटा हो गया है इस कारण पौधे/पशु अवशेषों से मिट्टी में प्रदूषण बढ़ा है गुणवत्ता बढ़ाने के स्थान पर प्रदूषित करते हैं। कृषि में प्रयोग किये जाने वाले कृषि रसायनों द्वारा प्रदूषण निम्न प्रकार से होता है।

(अ) रसायनिक कीटनाशियों में मुख्य रूप से दो प्रकार के कीटनाशी प्रयोग किये जाते हैं। वे निम्न है

ओरगेनोंक्लोरीनस

ये कीटनाशी मिट्टी में जीवाणुओं द्वारा अपघटित नहीं होते हैं जिसके कुछ अंश वर्षो तक मिट्टी में विद्यमान रहते हैं जिनके कारण हार्मोन्स एवं एंजाइम्स की क्रियायें परिवर्तित हो जाती है जिससे उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे डीडीटी, बीएचसी आदि।

ओरगेनोफास्फेट

ये मिट्टयों में अधिक मात्रा में प्रयोग किये जाते हैं परंतु जीवाणुओं द्वारा जल्दी अपघटित हो जाते हैं और जीव-जंतुओं के शरीर में संचित नहीं होते हैं।

- फफूंदनाशकों के द्वारा मिट्टी प्रदूषण: पारायुक्त रासायनों के उपयोग से मृदा के लाभकारी जीवाणुओं को हानि पहुंचाते हैं जो मिट्टी के संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। इन पर भारत शासन द्वारा 1996 में प्रतिबंध लगा दिया है जैसे- एग्रोसान, मोनोसान बीजोपचार दवाओं द्वारा मिट्टी प्रदूषण होता है।
- खरपतवार नाशकों के द्वारा मिट्टी प्रदूषण: खरपतवार नाशी मिट्टी परिस्थितिकी को प्रभावित करते हैं साथ ही प्रकाश संश्लेषण की क्रिया पर भी सीधा कुप्रभाव डालते हैं। कुछ खरपतनाशी रसायन दलहनी मिट्टी जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं।

ठोस एवं जलीय अपद्रव्यों द्वारा मृदा प्रदूषण

ठोस एवं जलीय अपद्रव्य मिट्टी में निम्नलिखित स्त्रोतों द्वारा मिट्टी में पहुंच कर मिट्टी की उर्वराशक्ति को क्षीण करती हैं।

- कारखानों के अपद्रव्यों द्वारा प्रदूषण: फेक्ट्रियों एवं कारखानों से निकली ठोस एवं जलीय अपद्रव्यों को बिना उपचारित किये मिट्टी में विसर्जित करना मिट्टी एवं फसल दोनों को घातक है इनमें विषैले तत्व मिले होने के कारण मिट्टी की उर्वराशक्ति पर घातक प्रभाव डालती हैं। इन ठोस एवं जलीय अपद्रव्यों से मिट्टी की भौतिक, रसायनिक एवं जैविक दशा भी परिवर्तित हो जाती है।
- रेडियो धर्मी पदार्थ द्वारा प्रदूषण: रेडियो धर्मी पदार्थ कई प्रकार से मिट्टी में विद्यमान रहते हैं जो जीवों के अलावा मिट्टी की उर्वरता पर भी प्रतिकूल प्रभव डालते हैं।
- मृत पशुओं से प्रदूषण: मृत पशुओं को खुला छोड़ने से जीवाणुओं की क्रियाओं से मांस सड़ने लगता है जिससे मिट्टी में कई प्रकार के विकार उत्पन्न हो जाते हैं।
- घरों का कचड़ा खेतों में फेंकने से प्रदूषण: किसान भाई बिना गड्ढे में सड़ाये घर का कचड़ा खेतों में डाल देते हैं जो जीव और पौधों को हानि पहुंचाते हैं। और मिट्टी भी प्रदूषित हो जाती है जिसमें कीड़े आदि मिट्टी में उपलब्ध हो जाते हैं।
- कारखानों के निकली गैसों द्वारा प्रदूषण: कारखानों के निकली गैसों एवं धुएं में सल्फर एवं नाइट्रोजन के आक्साइड वायुमण्डल से नमी से क्रिया करके गंधक अम्ल और नाइट्रिक अम्ल बनाते हैं जो वर्षा जल या नम धुन्ध से भूमि पर गिरते हैं और मृदा की अम्लीयता को बढ़ाते हैं।

रासायनिक उर्वरकों द्वारा प्रदूषण

मिट्टी में रसायनिक उर्वरकों द्वारा तब प्रदूषण अधिक होता है जब बिना मिट्टी जांच कराये असन्तुलित उर्वरकों का उपयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में यदि बुवाई करते समय नमी की कमी होने पर पौधों को जला देती है। साथ ही मिट्टी की भौतिक रसायनिक दशा बदल देती हैं अम्लीयता क्षारीयता को बढ़ा देती है।

- जल भराव के कारण प्रदूषण: अधिक जल भराव की स्थिति में मिट्टी लवणीय हो जाती हैं जिससे सूक्ष्म जीवाणुओं की गतिविधियां रूक जाती है और मिट्टी प्रदूषित हो जाती है।
- उत्खनन एवं भवन निर्माण कार्यो से प्रदूषण: खनिजों के उत्खनन एवं भवन निर्माण कार्यो से प्रदूषण ऊपरी सतह पर खदानों से बहकर हानि कारक पदार्थ जमा हो जाते हैं या निर्माण के समय बचे हुए पदार्थ बह कर मिट्टी सतह पर इकट्ठे हो जाते हैं जिससे मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है।
- वनों की अंधाधुन्ध कटाई से प्रदूषण: वनों के पेड़ों की कटाई से मिटटी क्षरण बढ़ता है साथ ही वर्षा भी कम होती है जिससे मिट्टी की उर्वराशक्ति क्षीण होती है।

देश की बढ़ती जनसंख्या के भरण

पोषण के लिये आवश्यक हो गया है कि हमारे देश की उपलब्ध मिट्टी को सुरक्षित कैसे किया जाये क्योंकि खेती योग्य जमीन लगातार भवन निर्माण आदि में उपयोग होकर घटती जा रही है तथा कुछ क्षेत्र अम्लीयता क्षारीय के कारण खेती के अयोग्य होता जा रहा है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए आज विचार आवश्यक है अन्यथा बहुत देर हो गई होगी जब हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भता खो देगा इसलिये आज मिट्टी प्रदूषण का नियंत्रण नहीं प्रबंधन जरूरी है जो हर देशवासी का मानवीय कर्तव्य है।

मिट्टी प्रदूषण को रोकने के लिए प्रबंधन

- एकीकृत पौध संरक्षण अपनाते हुए कीट नियंत्रण करें जब तक आवश्यक न हो तब तक कीट रसायन उपयोग न करें और यदि करना आवश्यक हो तो कृषि विशेषज्ञ की सलाह से अनुसंशित मात्रा को उचित विधि से उपयोग करें।
- रासायनिक खादों का उपयोग मिट्टी की जांच उपरांत आवश्यक मात्रा को उचित विधि व समय पर दें।
- खरपतवार प्रबंधन में जहॉ तक संभव हो यांत्रिकी विधियों का उपयोग करें यदि रसायन उपयोग करना हो तो उचित सहाय के बाद ही उपयोग करें।
- कारखानों से निष्काषित पदार्थ जल को वैज्ञानिक विधियों द्वारा उपचारित कर शुद्ध करके ही खेतों में दें।
- कारखानों से निष्काषित गैसों की चिमनियों को ऊंचा बनाया जाये और उसके ऊपर वायु शोधन यंत्र भी होना आवश्यक है।
- अधिक वर्षा एवं पर्यावरण शुद्धिकरण हेतु वनों की कटाई न करें बल्कि खेतों की मेढ़ों पर वृक्ष लगावें।
- खेतों की मेढ़ बंदी करें, खेतों को समतल करें और जल निकास की उचित व्यवस्था करें जिससे मिट्टी कटाव न हो।
- घरों से निकलने वाले कचड़े का कम्पोस्ट बनाकर खेतों में डालें।
- मल-मूत्र एवं गंदे पानी को खेतों में सीधा न जाने दें।
- भवन एवं सड़क निर्माण से बचे हुए कचड़े को खेतों में न डालें तथा खदानों के प्रदूषित पानी को खेत में न आने दें।
- यदि खेतों में वायु प्रदूषण के कारण अम्लीयता बढ़ रही है तो मृदा में चूना का उपयोग करें। साथ ही अम्लीयता सहन करने वाली फसलों की बुवाई करें।
- यदि खेतों की क्षारीयता बढ़ रही हो तो जिप्सम उपयोग के साथ-साथ जैविक खादों का उपयोग बढ़ावें।

मूंग का भभूतिया रोग

यह रोग दुनिया भर में पाया जाता है, जहां मूंग की खेती होती है, मध्यप्रदेश में मूंग का क्षेत्रफल 84 हजार हेक्टेयर एवं उत्पादन 28 हजार टन हैं। भारत में यह रोग सन 1918 में रिपोर्ट किया गया था। मूंग पर इस रोग का आक्रमण फलियों के बनते समय आसमान में बादल छायें हो तब अधिक होता है। शीघ्र पकने वाली जातियों में हानि कम होती है। परंतु रोग का जब भीषण प्रकोप होता है तब खेत में फलियों की संख्या 20 से 30 प्रतिशत तक घट जाती है और उपज में 40 प्रतिशत तक की कमी हो जाती है। इस रोग को उत्पन्न करने वाला कवक इरीसाईफी पीसी संसार के विभिन्न भागों में 300 से अधिक परपोषी जातियों पर पाया जाता है और इस कवक के विभिन्न क्रियात्मक प्रभेद कुछ अन्य फसलों जैसे-धनिया, सौंफ, रिजका, उड़द, मटर, गोभी इत्यादि पर भी संक्रमण करते हैं।

लक्षण

सर्वप्रथम रोग पौधों की पत्तियों पर दिखाई देता है तथा बाद में पौधों के दूसरे भागों पर भी फैल जाता है। प्रारंभ में पतियों की दोनों सतहों पर सफेद चूर्णी धब्बे बनते हैं जो बाद में फली एवं तने इत्यादि के ऊपर भी बन जाते हैं । पहले धब्बे छोटी-छोटी रंगहीन चितियों के रुप में बनते हैं परंतु अंत में इनके चारों ओर चूर्णी समूह फैल जाता है। इस प्रकार से रोगी पौधे छोटे रह जाते हैं उन पर फलियां भी कम लगती हैं तथा दाने हल्के होते है। पत्तियों के जिस स्थान पर परजीवी का कवक जाल फैला रहता है वहां की कोशिकायें ऊतकक्षय के कारण मर जाती है संक्रमित पत्तियां पीली पड़ कर मुड़ जाती है और अंत मे गिर जाती है। रोग का अधिक प्रकोप होने पर पौधा मर जाता है।
कवक इरीसाईफी पीसी अनेक एक वर्षीय एवं बहुवर्षीय परपोषी पौधों पर आक्रमण करता है। पूरे वर्ष अपनी कोनिडियमी अवस्था में ही जीवित बना रहता हैं। वैसे इसके क्लाइस्टोथिसियम भूमि में गिरे पौधों के रोगग्रस्त अवशेषों पर बनते है और यह इन्ही के द्वारा एक मौसम से दूसरे मौसम में जीवित बना रहता है। अगले मौसम में क्लाइस्टोथीसियम भूमि के समीप वाली पत्तियों पर सबसे पहले संक्रमण करते है। रोग का द्वितीयक संक्रमण, प्राथमिक संक्रमण से बने कवकजाल द्वारा उत्पन्न कोनिडियमों से होता है कोनिडियमों का फैलाव (प्रकीर्णन) वायु द्वारा होता है एवं मूंग के बीजों में उपस्थित प्रसुप्त कवकजाल के द्वारा होता है।
रोग नियंत्रण: सफाई: भूमि में पड़े रोगी पौधों के अवशेषों को एकत्र करके सुरक्षित स्थान पर जला देना चाहिये।

भभूतिया निरोधक जातियां

पूसा बोल्ड, नरेन्द्र मूंग -1, पीडीएम-139 (सम्राट), एमएल-515, के-851. 25 से 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से गंधक चूर्ण को भुरकना चाहिये।
किसी घुलनशील गंधक कवकनाशी जैसे: थायोवित, इलोसाल, सल्फैक्स, इनसल्फगोल्ड आदि की 3 किलो ग्राम मात्रा को 500 से 700 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 2 या 3 बार छिड़काव करना चाहिए। पहला छिड़काव रोग के प्रारंभ होते ही तथा दूसरा व तीसरा छिड़काव 10 से 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए। विटावैक्स 0.1 प्रतिशत (1 ग्राम प्रति लीटर जल) का छिड़काव करके भी इस रोग को रोका जा सकता है।

इंडोनेशिया पाम तेल पर प्रतिबंध हटाएगा, खाने का तेल होगा सस्ता

इंडोनेशिया सरकार ने बीते 28 अप्रैल को पाम ऑयल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था

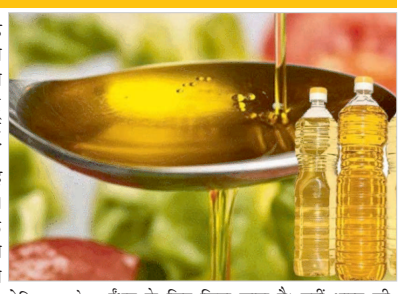

नई दिल्ली । लगातार तेजी से बढ़ रही महंगाई से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। दरअसल, बहुत जल्द खाने के तेलों की कीमतें कम हो सकती हैं। इसकी वजह यह है कि इंडोनेशिया ने बीते दिनों लगाया पाम ऑयल के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। इस संबंध में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया ने 23 मई से पाम ऑयल पर लगे प्रतिबंध को हटाने का ऐलान कर दिया है।` पिछले` दिनों देश के कारोबारी नेताओं ने राष्ट्रपति से निर्यात प्रतिबंधों को हटाने की मांग की थी, जिसके बाद ये बड़ा फैसला लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक निर्यात पर प्रे तिबंध के बाद से देश में स्टॉक फुल हो चुका है, अगर प्रतिबंध जारी रहे तो इस क्षेत्र को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि पाम ऑयल के सबसे बड़े उत्पादक देश इंडोनेशिया की सरकार ने बीते 28 अप्रैल को पाम ऑयल के निर्यात पर प्रे तिबंध लगा दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडोनेशिया में बंदरगाहों सहित लगभग छह मिलियन टन स्टोरेज क्षमता है। वहीं प्रतिबंध के बाद घरेलू स्टॉक मई की शुरुआत में ही लगभग 5.8 मिलियन टन तक पहुंच गया। इंडोनेशिया पाम ऑयल एसोसिएशन के जारी आंकड़ों को देखें तो मार्च के ओ खिर में घरेलू स्टॉक फरवरी के 5.05 मिलियन टन से बढ़कर 5.68 मिलियन टन हो गया था। फिर निर्यात बैन होने के बाद स्टॉक लगभग फुल हो चुका है। गौरतलब है कि इंडोनेशिया आमतौर पर घरेलू स्तर पर अपने वार्षिक पाम तेल उत्पादन का केवल 35 फीसदी ही उपयोग करता है। इसका उपयोग ज्यादातर भोजन और ईंधन के लिए किया जाता है। वहीं भारत की पाम ऑयल को लेकर इंडोनेशिया पर अधिक निर्भरता है, ऐसे में निर्यात पर प्रतिबंध हटने से देश में राहत मिल सकती है। भारत अपनी जरूरत का 70 फीसदी पाम ऑयल इंडोनेशिया से ही आयात करता है। जबकि 30 फीसदी का आयात मलेशिया से होता है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारत ने 83.1 लाख टन पाम ऑयल का आयात किया था।

फिच ने श्रीलंका की सॉवरेन रेटिंग घटाई

कोलंबो । न्यूयॉर्क की रेटिंग एजेंसी फिच ने कर्ज संकट का सामना कर रहे श्रीलंका की सॉवरेन रेटिंग को घटाकर रेस्ट्रिक्टेड डिफॉल्ट श्रेणी में कर दिया है जिसका मतलब है कि देश चूक की कगार पर है। दरअसल देश 30 दिन की रियायत अवधि के बाद भी अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड का भुगतान करने में विफल रहा है।

इससे पहले केंद्रीय बैंक के गवर्नर पी नंदलाल वीरसिंघे ने यह स्वीकार किया था कि श्रीलंका अपने कर्ज का भुगतान इनका पुनर्गठन होने तक नहीं कर सकेगा। बांड का भुगतान 18 अप्रैल तक देय था और इनकी राशि 7.8 करोड़ डॉलर है। इसके भुगतान के लिए 30 दिन की रियायत अवधि भी बुधवार को समाप्त हो गई। इससे पहले 12 अप्रैल को फिच ने श्रीलंका की रेटिंग घटाकर 'सी' कर दी थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा था कि श्रीलंका की विदेशी मुद्रा मुद्दे से संबंधित रेटिंग को 'सी' से घटाकर 'डी' कर दिया है। ऐसा वरिष्ठ असुरक्षित विदेशी मुद्रा बांड के मामले में चूक को देखते हुए किया गया है।

श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड, वाणिज्यिक बैंक ऋण, एग्जिम बैंक कर्ज और द्विपक्षीय कर्ज का भुगतान पहले ही निलंबित कर दिया है। देश को इस वर्ष 10.634 करोड़ डॉलर का भुगतान करना है लेकिन अप्रैल तक वह केवल 1.24 करोड़ डॉलर का ही भुगतान कर पाया।

एम्स में निःशुल्क होगी 300 रुपए तक की मेडिकल जांच

नई दिल्ली । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एम्स) ने 300 रुपए तक की मेडिकल जांच निःशुल्क करने की घोषणा की है। एम्स ने इस बाबत आधिकारिक आदेश जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि इन मेडिकल जांच को निःशुल्क करने के बाद हुए राजस्व के नुकसान की भरपाई के लिए एम्स के प्राइवेट वार्ड में कमरों की दरें बढ़ा दी गई हैं। एम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर डीके शर्मा के हस्ताक्षर से जारी आदेश के अनुसार अधोहस्ताक्षरी को यह अधिसूचित करने का निर्देश दिया जाता है कि एम्स के अध्यक्ष ने एम्स के अस्पतालों और सभी केन्द्रों में 300 रुपए तक के सभी मेडिकल जांच को तत्काल प्रभाव से निःशुल्क करने को मंजूरी दे दी है। एक अन्य आदेश के अनुसार एम्स के प्राइवेट वार्ड में स्थित ए-क्लास या डिलक्स कमरों के शुल्क को 3,000 रुपए से बढ़ाकर 6,000 रुपए कर दिया गया है और बी-क्लास या सामान्य कमरों के शुल्क को 2,000 रुपए से बढ़ाकर 3,000 रुपए कर दिया गया है। आदेश के अनुसार भोजन के लिए लगने वाले शुल्क को 200 रुपए प्रतिदिन से बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है।

जेके टायर की आय 31 प्रतिशत बढी, वित्तीय वर्ष 22 में 12000 करोड़ के पार

नई दिल्ली । टायर उद्योग में अग्रज जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (जेके टायर) ने वित्तीय वर्ष 2022 के लिये अपने अंकेक्षित परिणामों की घोषणा कर दी है। बोर्ड ने 75 प्रतिशत की दर से (2 रूपये अंकित मूल्य वाले शेयर पर 1.50 रूपये प्रति शेयर) लाभांश देने का प्रस्ताव रखा है। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, डॉ. रघुपति सिंघानिया, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) ने कहा, ÷जेके टायर ने वित्त वर्ष 2022 में अब तक का सबसे अधिक 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया। कोविड प्रतिबंधों के खुलने के बाद अच्छी मांग है, जिसके परिणामस्वरूप वाणिज्यिक वाहन और यात्री कार टायर खंडों में अधिक मांग आई है। निर्यात ने शीर्ष-पंक्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 60त्न अधिक था। उन्होंने कहा, ÷वित्त वर्ष -22 में असाधारण आवक लागत वृद्धि ने चौतरफा लागत में कमी और दक्षता में सुधार के उपायों के साथ-साथ सभी टायर श्रेणियों में समय-समय पर कीमतों में वृद्धि के बावजूद हमारे मार्जिन को प्रभावित किया है। हमें उम्मीद है कि तनावों और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के समाधान के बाद मुद्रास्फीति संबंधी दबाव कम होंगे। कंपनी की सहायक कंपनियों - कैवेंडिश इंडस्ट्रीज लिमिटेड और जेके टॉर्नेल, मैक्सिको ने राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दोनों संस्थाओं ने वित्त वर्ष -22 के लिए अब तक की सबसे अधिक बिक्री हासिल की है। हमारा मानना है कि यह रुझान भविष्य में भी जारी रहेगा। हम टायर उद्योग के दृष्टिकोण पर आशावादी हैं क्योंकि हम बेहतर ढांचागत गतिविधियों, उच्च मोटर वाहन मांग और बेहतर बाहरी वातावरण को देखते हैं। कंपनी ने 530 करोड़ रुपये की लागत से अपनी पीसीआर क्षमता का विस्तार किया है। जिसका अतिरिक्त लाभ वर्ष 2023 के अंत तक उपलब्ध होने की उम्मीद है और बिक्री और लाभप्रदता में वृद्धि होगी। डॉ. सिंघानिया ने आगे कहा कि, ÷हम संसाधनों के संरक्षण, बाजार में उन्नत और अलग-अलग उत्पादों की पेशकश पर ध्यान देने के साथ एक स्थायी कंपनी बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही भारी लिवाली (खरीददारी) से घरेलू बाजार में यह उछाल आया है। सेंसेक्स में शामिल सभी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। डॉ रेड्डीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, नेस्ले, लार्सन एंड टूब्रो, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी के शेयर लाभ में रहे। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,534.16 अंक करीब 2.91 फीसदी ऊपर आकर 54,326.39 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह एक समय 1,604.2 अंक चढ़कर 54,396.43 तक चला गया था पर इसके बाद नीचे खिसक गया। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 456.75 अंक तकरीबन 2.89 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,266.15 अंक पर पहुंचकर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार में भारी गिरावट रही थी। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहा। वहीं यूरोपीय बाजार भी ऊपर आये जबकि अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट रही।

फ्लिपकार्ट पे लेटर के ग्राहक सात माह में 60 लाख के पार

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट की फ्लिपकार्ट पे लेटर क्रेडिट सुविधा को ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और सात महीने के भीतर इसके ग्राहकों की संख्या 60 लाख से अधिक हो गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि फ्लिपकार्ट पे लेटर अपने ग्राहकों को सामर्थ्य के साथ-साथ खरीदारी का सुविधाजनक अनुभव देता है, जिससे हर महीने कई नए ग्राहक जुड़ रहे हैं। फ्लिपकार्ट पे लेटर की स्वीकार्यता सात माह में तेजी से बढ़ी है और इससे जुड़ने वालों ग्राहकों की संख्या 60 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। हाल ही में अपनी पेशकश का विस्तार करने के बाद, कंपनी 'फ्लिपकार्ट पे लेटर' के तहत ग्राहकों को क्रेडिट प्रोफाइल के आधार पर एक लाख रुपए तक के क्रेडिट की सुविधा दी जाती है। यानी ग्राहक सामान खरीद सकते हैं और भुगतान बाद में कर सकते हैं। ग्राहक 30 दिन में कितनी भी बार खरीदारी कर सकते हैं और मासिक किस्त (ईएमआई) के जरिये से कुल बिल राशि का भुगतान कर सकते हैं।

आइडीबीआई बैंक बीमा क्षेत्र के संयुक्त उद्यम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगा

मुंबई । आईडीबीआई बैंक अपने संयुक्त उद्यम एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एएफएलआई) में 580 करोड़ रुपये में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगा। इसके लिए बैंक ने एजेस इंश्योरेंस इंटरनेशनल एनवी के साथ समझौता भी किया है। बैंक ने भेजी जानकारी में कहा, ''आईडीबीआई बैंक ने एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस में अपने 20,00,00,000 इक्विटी शेयरों की पूरी हिस्सेदारी बेचने के लिए 19 मई, 2022 को एजेस इंश्योरेंस इंटरनेशनल एनवी के साथ शेयर खरीद समझौता किया है। बैंक के अनुसार इस लेनदेन को अभी नियामकों की मंजूरी दी जानी बाकी है। एलआईसी के नियंत्रण वाले आईडीबीआई बैंक की एएफएलआई में 31 मार्च, 2022 तक 25 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बैंक ने कहा कि लेनदेन के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। बैंक को अपनी 25 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री से 580.20 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। एएफएलआई दरअसल आईडीबीआई बैंक, फेडरल बैंक और एजेस इंश्योरेंस इंटरनेशनल एनवी के बीच एक तीन-पक्षीय संयुक्त उद्यम है, जो यूरोप की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक है।

सेबी ने फोर्टिस हेल्थकेयर सहित 32 इकाइयों पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने धोखाधड़ी मामले में फोर्टिस हेल्थकेयर होल्डिंग्स समेत 32 इकाइयों पर 38.75 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। यह मामला दरअसल वर्ष 2018 का है, जब एक मीडिया रिपोर्ट सामने आई थी कि बाजार में सूचीबद्ध एफएचएल के प्रवर्तकों ने कथित तौर पर कंपनी से बड़े पैमाने पर धन निकाला था। इसी रिपोर्ट के आधार पर बाजार नियामक ने धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यापार निषेध (पीएफयूटीपी) के प्रावधानों के संभावित उल्लंघन को लेकर एक जांच शुरू की थी। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि एफएचएल के पूर्व प्रवर्तकों ने धोखाधड़ी के लिए एक व्यवस्थित योजना तैयार की थी। इस योजना के जरिए वे निवेश या आईसीडी के माध्यम से कई संस्थाओं में निवेश के नाम पर एक सूचीबद्ध कंपनी के संसाधन को इधर-उधर कर रहे थे। 18 मई को जारी आदेश के अनुसार, एफएचएल से 397 करोड़ रुपए का कोष आरएचसी होल्डिंग में डाला गया था। यह निवेश एफएचएल की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी फोर्टिस हॉस्पिटल्स लिमिटेड के जरिए इधर-उधर किया गया था।

आरबीआई ने श्रीलंका के साथ व्यापार लेनदेन रुपए में निपटाने की अनुमति दी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने श्रीलंका के साथ व्यापार लेनदेन को एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) तंत्र से हटकर रुपए में निपटाने की अनुमति दे दी है। आरबीआई ने निर्यातकों को श्रीलंका से भुगतान प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए यह फैसला लिया है। तटीय देश दरअसल वर्ष 1948 में अंग्रेजों से स्वतंत्र होने के बाद अबतक के सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। केंद्र सरकार ने मार्च में आवश्यक वस्तुओं की खरीद के वित्तपोषण के लिए श्रीलंका को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की तरफ से एक अरब डॉलर की ऋण सुविधा दी थी। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा` कि श्रीलंका को किए गए निर्यात की आय और ऋण सुविधा की प्राप्ति में निर्यातकों को आ रही परेशानी की वजह से इस तरह के लेनदेन को एसीयू से हटकर भारतीय मुद्रा में निपटाने का फैसला किया गया है। इस व्यवस्था के तहत भारत से पात्र वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के लेन-देन के लिए विशेष अनुमति दी जाएगी।

सेबी की फ्रंट रनिंग धोखाधड़ी पर कड़ी नजर, फंड हाउसेज़ और ब्रोकरेज फर्मों पर कसेगी शिकंजा

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार की शीर्ष नियामक संस्था सेबी ने म्यूचुअल फंडों और ब्रोकरेज फर्मों के कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले संभावित फ्रंट रनिंग को रोकने के लिए नया तरीका निकाला है। इसके लिए सेबी अपने डेटाबेस का इस्तेमाल कर रहा है। हाल के दिनों में सेबी को फ्रंट रनिंग की कई शिकायतें मिली हैं। सेबी उन सबकी जांच कर रहा है। सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि फ्रंट रनिंग है क्या बला। दरअसल, बड़े म्यूचुअल फंड हाउस के कर्मचारी किसी स्टॉक में पैसा डालने से पहले खुद उसमें पैसा डाल लेते हैं और जब बड़े फंड हाउस का पैसा लगता है तो शेयर ऊपर जाता है। जब शेयर ऊपर जाता है तो ये लोग अपना मुनाफा निकाल लेते हैं। यह एक तरह की धोखाधड़ी है।

इसी कड़ी में ऐक्सिस म्यूचुअल फंड के भी दो फंड मैनेजरों पर फ्रंट रनिंग का आरोप लगा है। सेबी इसकी भी जांच कर रहा है। इसमें से एक फंड मैनेजर वीरेश जोशी को एक्सिस म्यूचुअल फंड ने बर्खास्त कर दिया है। ऐक्सिस एमएफ की ओर से यह जानकारी दी गई है। जोशी की बर्खास्तगी 18 मई, 2022 से प्रभावी हो गई है। दूसरे आरोपी फंड मैनेजर दीपक अग्रवाल हैं जो अभी निलंबित हैं। सूत्रों का कहना है कि फंड हाउसों द्वारा शेयरों की खरीद के दिन उन शेयरों में हुए उतार-चढ़ाव पर नजर रखने के लिए सेबी अपने डेटाबेस का उपयोग कर रहा है, ताकि फ्रंट रनिंग का पता चल सके। फंड मैनेजरों और ट्रेडरों द्वारा फ्रंट रनिंग किया जाना कोई नई बात नहीं है। पहले इसमें सबसे बड़ी समस्या यह थी कि फ्रंट रनिंग का पता लगाया जाए और फिर उसे साबित किया जाए। पिछले कुछ महीनों से सेबी अपने डेटा ट्रोव पर इंटेलिजेंस आर्टिफिशयल का इस्तेमाल कर रहा है ताकि फंडों द्वारा स्टॉक की खरीद के दिन उस स्टॉक में हुए बदलाव या उतार-चढ़ाव की पहचान की जा सके। इस तरीके के इस्तेमाल से सेबी अब पूरी तरह से इस बात से वाकिफ हो गया है कि म्यूचुअल फंडों और कभी-कभी ब्रोकरेज फर्मों के कर्मचारियों द्वारा फ्रंट रनिंग किया जा रहा है। सेबी के करीबी सूत्रों का कहना है कि अपने आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर से पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद बाजार नियामक सरकार से इस संबंध में अधिकार देने के लिए संपर्क कर सकता है। फ्रंट रनिंग में फंड मैनेजर अपने डीमैट खातों के जरिये शेयरों को खरीदने या बेचने में शामिल हो सकता है। चूंकि म्यूचुअल फंड बड़ी मात्रा में शेयरों का सौदा करते हैं। उनके सौदों का शेयरों की कीमत पर असर पड़ता है। फ्रंट रनर इसके जरिये मुनाफा कमा सकता है या होने वाले नुकसान से बच सकता है।

इस साल गेहूं की पैदावार तीन फीसदी घटकर 10.64 करोड़ टन रहने का अनुमान

- चावल की पैदावार भी इस वर्ष 12.96 करोड़ टन रहेगी जबकि यह पिछले साल 12.43 करोड़ टन थी

नई दिल्ली ।

कृषि मंत्रालय ने कहा है कि इस साल गेहूं की पैदावार में गिरावट आ सकती है। कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नए अनुमान के मुताबिक, भारत में गेहूं की पैदावार फसल वर्ष 2021-22 जुलाई से जून में इससे पिछले फसल वर्ष से 3 फीसदी गिरकर 10.64 करोड़ टन रहने वाली है। फसल वर्ष 2020-21 में गेहूं की पैदावार 10.95 करोड़ टन रही थी। यह सरकार के इस साल के लिए खुद के अनुमान 11.32 करोड़ टन से 4.61 फीसदी कम है। कृषि मंत्रालय फसल कटाई के अलग-अलग चरणों में 3 अनुमान जारी करता है। इसके बाद आखिर में फसल उत्पादन का अंतिम डेटा जारी किया जाता है। कृषि सचिव मनोज अहुजा ने कहा है कि गेहूं की पैदावार में गिरावट का एक बड़ा कारण यह है कि हीट वेव की वजह से हरियाणा और पंजाब में अच्छी फसल नहीं हुई है। उन्होंने कहा है कि गेहूं का उत्पादन इस साल गिरकर 10.5-10.6 करोड़ टन रह सकता है। मंत्रालय द्वारा जारी नए अनुमानों में गेहूं के अलावा कपास और मोटे अनाज की पैदावार में भी कुछ कमी देखने को मिल सकती है। हालांकि, अन्य अनाजों व नकदी फसलों की बात करें तो इनका उत्पादन पिछले साल से बेहतर रहने की उम्मीद है। अनुमान के अनुसार, चावल की पैदावार इस फसल वर्ष में 12.96 करोड़ टन रहेगी जबकि यह पिछले साल 12.43 करोड़ टन थी। वहीं, पिछले फसल वर्ष में दालों का उत्पादन 2.54 करोड़ टन हुआ था जो इस साल बढ़कर 2.77 करोड़ टन रहने की उम्मीद है। मोटे अनाज की पैदावार में थोड़ी कमी आने का अनुमान है। पिछले साल जहां इसका उत्पादन 5.13 करोड़ टन रहा था। इस साल यह 5.7 करोड़ टन रहने का अनुमान है। कुछ फसलों में गिरावट के बावजूद इस साल देश में अनाज का उत्पादन 31.45 करोड़ टन के साथ नया रिकॉर्ड बना सकता है। पिछले साल भारत में कुल 31.74 करोड़ टन अनाज की पैदावार हुई थी। देश में तिलहन की पैदावार 3.84 करोड़ टन, नकदी फसलों का उत्पादन 43 करोड़ टन रह सकता है। कपास का उत्पादन पिछले साल के 3.52 करोड़ से घटकर 3.15 करोड़ रहने का अनुमान है। जबकि जूट का उत्पादन 90.35 लाख टन से बढ़कर 1.22 करोड़ टन रह सकता है।

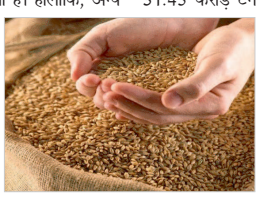

भारत ने 18 मई तक 75 लाख टन चीनी निर्यात किया

नई दिल्ली । भारत ने चालू विपणन वर्ष में 18 मई तक 75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। मंत्रालय ने बयान में कहा` कि मौजूदा चीनी सत्र 2021-22 में चीनी का निर्यात, चीनी सत्र 2017-18 के मुकाबले 15 गुना है। भारत से इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और अफ्रीकी देशों को चीनी निर्यात की जाती है। वर्ष 2020-21 में करीब 70 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। बयान में कहा गया कि चीनी निर्यात की सुविधा के लिए पिछले पांच वर्षों में चीनी मिलों को लगभग 14,456 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। इसके अलावा बफर स्टॉक बनाए रखने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की लागत आई।

जिलिंगो के सीईओ अंकिती बोस बर्खास्त

नई दिल्ली । सिंगापुर के फैशन प्रौद्योगिकी स्टार्टअप जिलिंगो ने शुक्रवार को बताया कि गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों का स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट करवाने के बाद भारतीय मूल की सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंकिती बोस को बर्खास्त कर दिया गया है। कंपनी के खातों में कथित विसंगतियों की शिकायतों के बाद 31 मार्च को बोस को निलंबित किया गया था। जिलिंगो ने कहा कि एक स्वतंत्र फॉरेंसिक कंपनी ने गंभीर वित्तीय अनियमितताओं संबंधी शिकायतों की जांच की जिसके बाद कंपनी ने अंकिती बोस को बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। कंपनी को कानूनी कार्रवाई करने का भी अधिकार है। हालांकि कंपनी ने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी कि बोस के खिलाफ आरोप क्या हैं और जांच में क्या निष्कर्ष निकले हैं। कंपनी ने कहा कि बोस ने उत्पीड़न के आरोप तब लगाए जब 31 मार्च को उन्हें निलंबित किया गया और जांच में यह साबित हो गया कि कंपनी ने उचित कार्रवाई की है।

अंकिता रैना ने जीता बिली जीन किंग कप हार्ट अवार्ड

नई दिल्ली। भारत की टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने एशिया/ओसनिया ग्रुप एक से बिली जीन किंग कप हार्ट अवार्ड जीत लिया है। सानिया मिर्जा के बाद यह अवार्ड जीतने वाली वह दूसरी

भारतीय बनी हैं। यह अवार्ड उन खिलाड़ियों को मान्यता देने के लिए है जिन्होंने प्रतिष्ठा के साथ अपने देश का नेतृत्व किया है, कोर्ट पर अतुलनीय साहस दिखाया है और बिली जीन किंग कप के दौरान टीम के प्रति अद्भुत प्रतिबद्धता दिखाई है।

मैथ्यू वेड के 'विवादित' आउट पर हार्दिक का बड़ा बयान, नहीं मिला तकनीक का फायदा

मुंबई । गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या ने मैथ्यू वेड को विवादास्पद तरीके से पगबाधा दिए जाने के बाद तकनीक का फायदा नहीं मिलने पर अफसोस जताया लेकिन कहा कि कुल मिलाकर अधिकतर अवसरों पर इससे सही फैसले लेने में मदद मिली है। गुजरात और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच

आईपीएल मैच के दौरान ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर वेड को आउट दिये जाने पर बहस शुरू हो गई, क्योंकि 'अल्ट्राएज' से पता नहीं चल रहा था कि गेंद बल्ले का छूकर गई है जबकि देखने में लग रहा था कि गेंद ने बल्ले को स्पर्श किया है।

हार्दिक ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि अल्ट्राएज में थोड़ा (स्पाइक) था। बड़े पर्दे पर यह दिखाई नहीं दे रहा था। आप गलती नहीं कर सकते। अगर तकनीक मदद नहीं कर रही है, तो मुझे नहीं पता कि फिर कौन मदद करेगा।' वेड इस फैसले से नाराज थे क्योंकि उन्हें यकीन था कि मैक्सवेल की गेंद उनके बल्ले से लगकर पैड से टकराई है, इसलिए आउट दिए जाने के तुरंत बाद उन्होंने निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) का सहारा ले लिया था। 'अल्ट्राएज' में हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ और तीसरे अंपायर ने मैदानी अंपायर का फैसला बने रहने दिया। हार्दिक ने कहा, 'जाहिर है यह किसी के लिए भी व्यक्तिगत नहीं है लेकिन तकनीक कभी मदद करती है और कभी नहीं। इस बार इसने मदद नहीं की। लेकिन अधिकतर अवसरों पर इसने काम किया है और गलत फैसलों को पलटा है।'

हम दस रन पीछे रह गए : हार्दिक पंड्या

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के हाथों आईपीएल के आखिरी लीग मैच में आठ विकेट से मिली हार के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि उनकी टीम दस रन पीछे रह गई । जीत के लिये 169 रन का लक्ष्य आरसीबी ने दो विकेट खोकर आठ गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया । पंड्या ने मैच के बाद कहा ,'' हम आखिर में दस रन पीछे रह गए । ग्लेन मैक्सवेल ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी की । हम सही रास्ते पर थे लेकिन लगातार दो विकेट गंवाने से लय टूटी । इससे यह सबक मिला है कि प्लेआफ में लगातार विकेट नहीं गंवाने हैं ।''

मैच में अर्धशतक जमाने वाले पंड्या ने अपने फॉर्म के बारे में कहा ,'' रन बनाकर हमेशा अच्छा लगता है । खिलाड़ियों के बीच अच्छा तालमेल है और यह मैच हमारे लिये सबक की तरह रहा ।'' प्लेआफ में पहुंचने के लिये आरसीबी को दिल्ली और मुंबई के बीच मैच में दिल्ली की हार की दुआ करनी होगी । आरसीबी के हरफनमौला मैक्सवेल ने कहा ,'' हम उस मैच पर नजरें रखेंगे । कल गोल्फ खेलूंगा लेकिन फोकस मैच पर रहेगा ।

कोहली के अर्धशतक के बदौलत बेंगलुरु प्लेऑफ की रेस में बरकरार

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2022 का 67वां मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हार्दिक पांड्या के अर्धशतक की बदौलत बेंगलुरु को 169 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी के बदौलत गुजरात टाइटंस को 8 विकेट से हरा दिया। बेंगलुरु ने 18.4 ओवर में ही 170 रन बनाकर मैच जीत लिया।

गुजरात टाइटंस (पहली पारी)

पहले बल्लेबाजी के लिए आई गुजरात टाइटंस की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम को शुभमन गिल के रूप में टीम को पहला झटका लगा। शुभमन एक रन बनाकर हेजलवुड की गेंद का शिकार बने। ग्लेन मैक्सवेल ने मैथ्यू वेड को आउट करके गुजरात की टीम को दूसरा झटका दिया। वेड 16 रन बनाकर आउट हुए। 1 एक रन लेने के चक्कर में डुप्लेसिस की स्टीक थ्रो के कारण रन आऊट हो गए। उन्होंने 22 गेंदों में 31 रन बनाए। वानिंदु हसरंगा ने खतरनाक दिख रहे डेविड मिलर को आउट करके बेंगलुरु की टीम को तीसरी सफलता दिलाई। मिलर ने 25 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 32 रन की पारी खेली।

जोश हेजलवुड ने राहुल तेवतिया को आउट करके बेंगलुरु की टीम को 5वीं सफलता दिलाई। राहुल तेवतिया 2 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। पांड्या ने 47 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्के की मदद से 62 रन की पारी खेली। वहीं राशिद खान ने 6 गेंदों पर एक चौका और 2 छक्के लगाकर 19 रन बनाकर हार्दिक का अच्छा सहयोग किया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (दूसरी पारी)

लक्ष्य का पीछा करने आई बेंगलुरु की टीम को कप्तान फाफ डुप्लेसिस और विराट कोहली ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को तोड़ने का काम राशिद खान ने किया।

राशिद खान ने फाफ डुप्लेसिस को 44 रन पर आउट कर गुजरात को पहली सफलता दिलाई। डुप्लेसिस ने अपनी पारी में 38 गेंदों का सामना किया और 5 चौके लगाए। राशिद खान ने विराट कोहली को आउट कर गुजरात को दूसरी सफलता दिलाई। विराट कोहली 54 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के की मदद से 73 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन मैक्सवेल ने 17 गेंदों पर नाबाद 36 रन की पारी खेली जिसमें उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए।

सुपरबेट रैपिड शतरंज -विश्वनाथन आनंद नें लगाई जीत की हैट्रिक

वारशा ,पोलैंड। भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद बार बार यह साबित कर देते ही की उम्र उनके लिए सिर्फ एक नंबर है । करीब एक बर्ष के बाद अंतराष्ट्रीय शतरंज के ऑन द बोर्ड मुकाबलों मे वापसी करते हुए उन्होने अपने प्रदर्शन से विश्वभर के शतरंज विश्लेषको को हैरान कर दिया है । जब सभी यह मान रहे थे की इतने समय बाद आनंद के लिए वापसी आसान नहीं होगी उन्होने पहले ही दिन पोलैंड के राडेक वोइटसजेक , यूएसए के वेसली सो और उक्रेन के अंटोन कोरोबोव को पराजित

करते हुए प्रतियोगिता मे एकल बढ़त हासिल कर ली है ।आनंद के शानदार खेल का नजारा कुछ यूं रहा है की पहले दिन के बाद जहां वह 6 अंक लेकर सबसे आगे है तो यूएसए के फबियानों करूआना और लेवोन अरोनियन 3 अंक लेकर दूसरे स्थान पर चल रहे है।

सहवाग ने बताई विराट कोहली की सबसे बड़ी कमजोरी, गांगुली थे नंबर 1

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान विरेंद्र सहवाग ने कहा है कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई लेकिन विराट कोहली अपने समय में ऐसा नहीं कर पाए। सहवाग ने विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में भी एक तुलनात्मक टिप्पणी की। सहवाग ने कहा कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई, नए खिलाड़ियों को टीम में लाए और उनके उतार-चढ़ाव में उनका समर्थन किया। मुझे संदेह है कि क्या कोहली ने अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही ऐसा किया हो।

दो बार के विश्व कप विजेता का कहना है कि कोहली की कप्तानी के दौरान, 2-3 साल के लिए, लगभग हर टेस्ट के बाद टीम को बदलने का चलन था, चाहे वे जीते या हारे। मेरी राय में नंबर वन कप्तान वह है जो एक टीम बनाता है और अपने खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देता है। उन्होंने (कोहली) कुछ खिलाड़ियों का समर्थन किया, कुछ का नहीं किया। सहवाग ने इस दौरान बड़े शतक बनाने के लिए कौन-सा माइंडसेट होना चाहिए पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, सौरव गांगुली शतक के लिए 150-200 गेंदें खेलेंगे। अगर मैं भी इसी दर से शतक बनाता रहा तो मुझे कोई याद नहीं करेगा। मुझे अपनी पहचान बनाने के लिए उनसे तेज रन बनाने थे।

इसलिए मैं सोचता था कि अगर पूरा दिन टिका रहा तो 250 रन बनाऊंगा। इसके बाद 100, 150, 200 आदि के बैरियर पार करता था। मैं नर्वस नाइंटीज को लेकर ज्यादा सीरियस नहीं होता था क्योंकि मेरा लक्ष्य सिर्फ शतक बनाना नहीं बल्कि बड़ा शतक बनाना होता था।

पहली एफआईएच हॉकी 5 में गुरिंदर सिंह 9 सदस्यीय भारतीय टीम के कप्तान

नई दिल्ली। डिफेंडर गुरिंदर सिंह अगले महीने स्विटजरलैंड के लुसाने में होने वाली पहली एफआईएच हॉकी 5 चैम्पियनशिप में भारत की नौ सदस्यीय पुरूष हॉकी टीम की कमान संभालेंगे। भारतीय पुरूष टीम मलेशिया, पाकिस्तान, पोलैंड और मेजबान स्विटजरलैंड से खेलेगी। टूर्नामेंट 5 और 6 जून को खेला जाएगा। टोक्यो ओलिम्पिक की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य रहे मिडफील्डर सुमित उपकप्तान होंगे।

टीम में ओलिम्पिक कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्यों के साथ एफआईएच जूनियर विश्व कप टीम के सदस्य भी हैं। इनमें गोलकीपर पवन, डिफेंडर संजय, मनदीप मोर और गुरिंदर सिंह शामिल हैं। मिडफील्डर सूमित और रविचंद्र सिंह के अलावा फॉरवर्ड दिलप्रीत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन और गुरसाहिबजीत सिंह को भी टीम में जगह दी गई है।

पवन, संजय और रविचंद्र 2018 युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य थे। उस टूर्नामेंट में पहली बार हॉकी 5 प्रारूप आजमाया गया था। ये तीनों

भुवनेश्वर में पिछले साल जूनियर विश्व कप टीम में भी थे।

सुमित के अलावा दिलप्रीत सिंह ओलिम्पिक कांस्य पदक विजेता टीम में थे। भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि हीरो हॉकी 5 टूर्नामेंट खेल के अलग प्रारूप की नुमाइश का मौका है। इतने खूबसूरत देश में बेहतरीन टीमों के खिलाफ तेज रफ्तार हॉकी खेलने को लेकर हम काफी रोमांचित हैं। भारतीय टीम एक जून को बेंगलुरू से रवाना होगी।

टीम : पवन, संजय, मनदीप मोर, गुरिंदर सिंह (कप्तान), सुमित, रविचंद्र सिंह, दिलप्रीत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, गुरसाहिबजीत सिंह।

स्टैंडबाय : प्रशांत कुमार चौहान, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको।

फुटबॉल प्रशंसक ने मैच के बाद खिलाड़ी से मारपीट का दोष स्वीकार किया

नॉटिंघम । फुटबॉल प्रशंसक रॉबर्ट बिग्स ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ चैंपियनशिप प्ले आफ मुकाबले के समाप्त होने के बाद शेफील्ड यूनाटेड के स्ट्राइकर बिली शार्प पर हमला करने के मामले में दोष स्वीकार कर लिया। तीस साल का बिग्स मैच के बाद सिटी ग्राउंड में घुस आया और उसने शार्प पर सिर से प्रहार किया। चोट के कारण शार्प इस मुकाबले में नहीं खेल रहे थे। वह मैदान के बाहर अपनी जेब में हाथ डालकर खड़े थे जब बिग्स ने उन प्रहार किया जिसके कारण उनके होंठ पर चार टांके आए।

बिग्स सुनवाई के लिए नॉटिंघम मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुआ और अपराध स्वीकार कर लिया जिसे अभियोजकों ने 'जानबूझकर किया गया हिंसा का मूर्खतापूर्ण कार्य' करार दिया है। सुनवाई के दौरान बिग्स को बताया गया कि उसके खिलाफ लगे गैरकानूनी रूप से मैदान पर घुसने के आरोप को हटा दिया गया है। बिग्स ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगाने वाले आवेदन का विरोध नहीं किया है। फॉरेस्ट की टीम पहले ही कह चुकी है कि जिसने भी शार्प पर हमला किया है उस पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए।

जब खराब दौर लंबे समय तक रहा हो तो आप खुद पर संदेह करना शुरू कर देते हो: कोहली पर हेसन ने कहा

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने कहा कि अगर खराब फॉर्म लंबे समय तक रहे तो इससे किसी का भी मनोबल गिर सकता है और विराट कोहली भी इंसान ही हैं जो चीजें अपने हिसाब से नहीं चलने के कारण कुछ रन जुटाने के लिये बेताब थे।

कोहली आखिर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 73 रन की पारी खेलकर अपनी उसी पुरानी फॉर्म में दिखे और इस मैच में मिली जीत ने आरसीबी को प्लेऑफ स्थान के समीकरण में बनाये रखा है। कोहली 13 बार अलग अलग तरीके से आउट हुए हैं। हेसन ने कहा कि कोहली ने कभी मेहनत करना बंद नहीं किया जिससे उन्हें वापसी में मदद मिली। हेसन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''वह (विराट) नेट में इतना कड़ा अभ्यास कर रहा था और मैच खेलने के अलावा लय हासिल करने की कोशिश कर रहा था, जिससे उसका मनोबल ऊंचा रहा। '' लेकिन 13 मैचों में से 12 में सस्ते में आउट हो जाने के बारे में हेसन को लगता है कि इंसान थोड़ा बहुत दबाव महसूस करता ही है।

हेसन ने कहा, ''लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जब आप इस तरह की खराब फॉर्म से गुजर रहे हो - तो इंसान थोड़ा बहुत दबाव महसूस करता ही है और सोचता है कि कब भाग्य पलटेगा। इसलिये आज रात थोड़ा बहुत भाग्य साथ रहा। '' आरसीबी शीर्ष चार के लिये जगह बनाने के लिये मुहाने पर खड़ी है लेकिन अगर दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को मुंबई इंडियंस को हरा देगी तो वह बाहर हो जायेगी। हेसन हालांकि कोहली के प्रदर्शन से काफी खुश थे। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं, इस तरह के प्रदर्शन से, किसी भी टीम का अगर शीर्ष क्रम शानदार प्रदर्शन कर रहा हो और आपके पास विराट जैसा खिलाड़ी हो तो इससे लक्ष्य का पीछा करना आसान हो जाता है। ''हेसन ने कहा, ''हम जानते हैं कि विराट को लक्ष्य का पीछा करने में महारत हासिल है और आज फिर उसने अच्छी लय बनायी। यह हमारे लिये महत्वपूर्ण मैच था और बड़े खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम जानते हैं कि विराट उस मनोस्थिति में है इसलिये प्रतिद्वंद्वी टीम को 'गुडलक' क्योंकि वह कहीं से भी मैच को जीत तक पहुंचा सकता है। ''

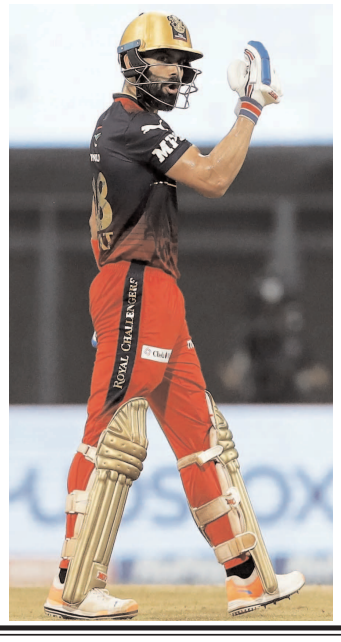

अभ्यास सत्र में छोटे भाई को लेकर आए बाबर आजम, पीसीबी की नीतियों का किया उलंघन

कराची । पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के कप्तान बाबर आजम अपने छोटे भाई को लाहौर में नेट अभ्यास में लेकर आ गए जिसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन्हें अपनी नीतियों के बारे में याद दिलाई।

बाबर सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट किए जाने के बाद आलोचनाओं के घेरे में आ गये थे। इस तस्वीर में उनके भाई सफीर को नेट पर अभ्यास करते दिखाया गया है जिसमें पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहनवाज दहानी उनको गेंदबाजी कर रहे हैं। सोशल

मीडिया की इस पोस्ट ने विवाद पैदा कर दिया क्योंकि पीसीबी के उच्च प्रदर्शन केंद्र (हाई परफोरमेन्स सेंटर, एचपीसी) से जुड़ी नीतियों में साफ कहा गया है कि केवल पाकिस्तान के खिलाड़ी, प्रथम श्रेणी या जूनियर क्रिकेटर ही अधिकारियों की अनुमति से केंद्र की सुविधाओं और कर्मचारियों का उपयोग कर सकते हैं।

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा, 'बाबर तीन-चार दिन पहले अपने भाई के साथ केंद्र में आए थे। यह अनुकूलन शिविर के शुरू होने से पहले की बात है। उनके भाई ने बाद में नेट पर अभ्यास भी किया जिसे बोर्ड के संज्ञान में लाया गया।'

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के किसी भी खिलाड़ी को अपने किसी रिश्तेदार या दोस्त को अभ्यास के लिए एचपीसी में लाने की अनुमति नहीं है इसलिए बाबर को विनम्रतापूर्वक उनकी गलती के बारे में बताया गया और कहा गया कि इसे फिर से न दोहराएं। सूत्र ने कहा, 'वह हमारी राष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं और उन्हें विनम्रता से स्थिति के बारे में याद दिलाया गया जिस पर वह सहमत थे।'

'बॉलीवुड फिल्म' में नजर आएंगे शिखर धवन, शूटिंग पूरी, अंदर की जानकारी आई बाहर

मुंबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को उनके फैंस बॉलीवुड फिल्म में देख सकेंगे। धवन ने बीते दिनों ही एक फिल्म की शूटिंग पूरी की है। हालांकि अभी तक इसका नाम सामने नहीं आया है लेकिन बताया जा रहा है कि उनका किरदार दमदार है। वह किन्हीं आम क्रिकेट सितारों की तरह फिल्म में कैमियो को रोल नहीं निभाएंगे। धवन की बॉलीवुड फिल्मों में एंट्री बाबत मुंबई की मशहूर पत्रिका ने दावा किया है कि जल्द यह क्रिकेटर एक फिल्म में महत्वपूर्ण रोल निभाता हुआ नजर आएगा। बताया जा रहा है कि धवन पहले से ही बॉलीवुड फिल्मों में एंट्री के लिए प्रयासरत थे। क्योंकि उनके बॉलीवुड अभिनेताओं के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। ऐसे में उनके फैंस को उम्मीद भी थी कि वह किन्ही फिल्म में जरूर नजर आ सकते हैं। लेकिन अब खबर आई है कि उन्हें बॉलीवुड फिल्म में

महत्वपूर्ण रोल मिला है। अगर उनकी अदाकारी को पसंद किया गया तो धवन आगे भी और काम करने से कभी हिचकचाहट नहीं दिखाएंगे।

धवन वैसे भी फिल्मों की प्रमोशन में भी देखे जाते रहे हैं। बीते साल अक्तूबर में धवन को अक्ष्य कुमार की फिल्म राम सेतु के सेट पर देखा गया था। पहले कहा गया कि धवन इसी फिल्म में रोल कर रहे हैं लेकिन बात में इन बातों को नकार दिया गया था। धवन पहले से ही अक्ष्य के करीबी दोस्तों में रहे हैं ऐसे में फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि अक्ष्य उन्हें रोल देंगे। इसी तरह रणवीर सिंह के साथ भी धवन की अच्छी दोस्ती है। दोनों को फिल्म 83 के प्रमोशन के दौरान एकसाथ देखा गया था।

देश के विकास के ग्रोथ इंजन गुजरात में कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से वंचित या पीछे नहीं रह जाना चाहिए : मुख्यमंत्री

बनासकांठा । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को बनासकाँठा ज़िले में काँकरेज तहसील के काकर में घुमंतु जाति के लिए निर्मित बस्ती एवं छात्रालय का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने विचरणशील-घूमंतु जाति के एक स्थान से दूसरे स्थान पर खुले आकाश तले जीवन यापन करने वाले बेघर परिवारों को काकर के वादीपुरा में निर्मित मकानों की चाबियाँ अर्पित कर उनका गृह प्रवेश कराया। इसके साथ ही इन घूमंतु लोगों को अब स्थायी पता मिल गया है। इस अवसर पर पटेल ने कहा कि यह सरकार हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विकास मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के साथ काम करती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कई सारी योजनाएँ हैं, परंतु विचरणशील जाति के लिए कार्य करने से विशेष आत्मसंतोष मिलता है। अब तक विचरणशील जाति के 4000 लोगों को मकान के लिए सनद सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात विकास का ग्रोथ इंजन है। ऐसे में सरकार इस बात की चिंता करती है कि कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा में पीछे न रह जाए। उन्होंने कहा कि नरेन्द्रनगर वादी वसाहत (बस्ती) के मकानों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई के लिए हॉस्टल भी बनाया गया है। अब बच्चों को शिक्षा के लिए हॉस्टल से युक्त व्यवस्था मिलेगी, जिससे वे पढ़-लिख कर आगे बढ़ सकेंगे। पटेल ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा गुजरात के विकास की नींव में हैं। कोविड काल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक सूत्र में पिरोए रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान की हैं। गुजरात में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण होने के कारण लोग निर्भयतापूर्वक घूम-फिर सकते हैं। उन्होंने विचरणशील जाति के समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आपको आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील है। ऐसे में कुरितियों से बाहर आकर आगे बढ़ें। पटेल ने आत्मनिर्भर गुजरात तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए बच्चों को पढ़ाने की हार्दिक अपील भी की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी विचरणशील जातियों की वेदना को समझा और इन जातियों के आवास योजना भूखंड आवंटन

जैसे अंत्योदय विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी है।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार ने कहा कि विचरणशील समुदाय समर्थन मंच, ज़िला प्रशासन एवं राज्य सरकार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम वर्ष 2022 तक प्रत्येक व्यक्ति को घर देने के प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण क़दम है। परमार ने कहा कि काकर में घूमंतु जाति के कुल 185 लाभार्थी परिवारों को रहने के लिए 15,475 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है। 214 लाभार्थियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवास योजना के अंतर्गत कुल 97.12 लाख रुपए की सहायता का भुगतान किया गया है।

सीबीआई ने सामान्य प्रशासन विभाग के संयुक्त सचिव के. राजेश को किया गिरफ्तार

गांधीनगर। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग के संयुक्त सचिव और सुरेन्द्रनगर जिले के तत्कालीन कलेक्टर के. राजेश की ऑफीस और घर पर रेड के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही सूरत के एक शख्स को भी सीबीआई ने अपनी हिरासत में ले लिया है। सरकारी जमीन के आवंटन व नियमित करने और आर्म्स लाइसंस के लिए रिश्वत के मामलों में सीबीआई ने केस दर्ज किया है। सीबीआई के मुताबिक गुजरात सरकार के अनुरोध पर पहले प्राथमिक जांच की गई थी। जांच के बाद सीबीआई ने आईएएस के. राजेश के खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज किया और उसके बाद गांधीनगर, सूरत, सुरेन्द्रनगर इत्यादि निवास स्थानों पर छापा मारा गया। के. राजेश के

खिलाफ बंदूक के लाइसंस के लिए और जमीन सौदे में भी रिश्वत मांगने का आरोप है। बता दें कि सुरेन्द्रनगर में सरकारी भूखंड के आवंटन विवाद में के. राजेश का नाम आ चुका है। बामणबोर की जमीन सौदे में राजकोट के राजनीतिक दल के एक नेता भी संदेह के दायरे में है।

सीबीआई की जांच में पता चला है कि बामणबोर की जमीन सौदे में इस नेता की अहम भूमिका रही है। के. राजेश 2011 बैच के आईएस अधिकारी हैं और फिलहाल राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग में बतौर संयुक्त सचिव सेवारत हैं। के. राजेश सुरेन्द्रनगर जिला कलेक्टर भी रह चुके हैं। सुरेन्द्रनगर के कलेक्टर के बाद उनका गृह विभाग में संयुक्त सचिव पद पर तबादला किया गया था। हांलाकि तबादले के कुछ दिन बाद ही उन्हें साइड पोस्ट कर दिया गया था।

125 किमी लंबे सांचोर-सांतलपुर मार्ग को छह लेन बनाने के कार्य का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को बनासकांठा के थराद का दौरा कर केंद्र सरकार की भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राजस्थान के सांचोर से गुजरात के पाटण जिले के सांतलपुर तक सड़क को छह लेन में परिवर्तित करने के कार्य का निरीक्षण किया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण लगभग 125 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को छह लेन सड़क में बदलने का कार्य ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के रूप में कर रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय भारतमाला परियोजना के तहत अमृतसर से जामनगर के बीच लगभग 1256 किमी लंबे इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण करेगा। सांचोर-सांतलपुर के बीच 125 किमी लंबा यह मार्ग इकोनॉमिक कॉरिडोर के एक अहम हिस्से के रूप में 4 पैकेज में कुल 2030.44 करोड़ रुपए के खर्च से विकसित किया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने प्रत्येक पैकेज में लगभग 500 करोड़ रुपए की लागत से 30 किमी लंबी सड़क को 6 लेन के रूप में कार्यरत करने का कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किया है और इसके वर्ष 2023 तक पूरा होने का अनुमान व्यक्त किया है। भारतमाला परियोजना का उद्देश्य देश के उत्तरी राज्यों की पूर्वी क्षेत्र के साथ कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। इतना ही नहीं, इस परियोजना के मार्फत जामनगर, कंडला और मुंद्रा जैसे बंदरगाहों से उत्तरी राज्यों को विभिन्न उत्पादों के आयात-निर्यात की वैश्विक सुविधा भी प्रदान करने की मंशा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार सुबह थराद के निकट इस छह लेन सड़क निर्माण स्थल का दौरा बनासकांठा के प्रभारी मंत्री

गजेंद्रसिंह परमार, सांसद परबत पटेल, प्रदेश महामंत्रा और पूर्व मंत्री रजनी पटेल, बनासकांठा जिला प्रशासन तंत्र और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को साथ रखकर किया और उनसे जानकारी हासिल की।

हार्दिक पटेल का कांग्रेस को गुजरात विरोधी बताना गलत : जिग्नेश मेवाणी

अहमदाबाद। हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद दो दिन पहले पत्रकार परिषद में कांग्रेस को जातिवादी और गुजरात विरोधी करार दिया था। हार्दिक के आरोपों के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने जवाब दिया था। आज वडगाम से विधायक और कांग्रेस नेता जिग्नेश मेवाणी ने हार्दिक पटेल पर कड़े प्रहार किए। मेवाणी ने कहा कि कांग्रेस को गुजरात और गुजराती विरोधी बताना गलत है। हार्दिक पटेल को कांग्रेस छोड़नी थी तो गरिमापूर्ण ढंग से छोड़ना था। लेकिन हार्दिक पटेल ने कांग्रेस छोड़ने के बाद पार्टी के खिलाफ जिन शब्दों का उपयोग किया है वह ठीक नहीं है। अब तक कांग्रेस ने तुम्हें बड़े मंच दिए, स्टार प्रचारक बनाया, हेलिकॉप्टर दिया, उसकी एक बात नहीं मानी है। भाजपा और संघ के खिलाफ आवाज बुलंद करने के कारण लोकप्रिय हुए। मेवाणी ने हार्दिक पटेल के कांग्रेस छोड़ने के बाद अदाणी-अंबाणी पर उमड़े प्यार पर हैरानी जताई और कहा कि यह उनकी समझ से परे है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं और हार्दिक पटेल संघर्ष के साथी थे और देश के युवा भी उम्मीद की नजरों से देखते थे। हार्दिक पटेल 3 साल तक कांग्रेस से जुड़े रहे और अचानक ऐसा क्या हो गया जो पार्टी छोड़ने का फैसला कर लिया। बीते 25 दिनों से हार्दिक पटेल का नाम भाजपा से जोड़ा रहा है, लेकिन उन्होंने एक बार भी इससे इंकार नहीं किया। चिकन-सेंडविच के मुद्दे को लेकर भी मेवाणी ने हार्दिक को आडे हाथ लिया और कहा कि ऐसी बातें करना उन्हें शोभा नहीं देता। हार्दिक का आरोप है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व गुजरात के प्रश्नों पर चर्चा नहीं करता। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने मेरे साथ गुजरात की सभी समस्याओं के बारे में चर्चा की है। हार्दिक पटेल भाजपा के प्रति प्रेम बताकर अपनी विचारधारा बदल रहे हैं। लेकिन विचारधारा कोई कपड़ा नहीं है जो बदली जाए। विचारधारा खून की बूंद के बराबर है। जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि पाटीदार मुद्दे पर भाजपा सरकार ने कोई बड़ा मन नहीं रखा था। 14 पाटीदार युवाओं की जान ली है। बहन-बेटियों पर लाठीचार्ज किया था। हार्दिक पटेल समेत कई लोगों पर फर्जी केस किए थे। उस वक्त कांग्रेस पाटीदारों के साथ खड़ी थी।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है

सूरत । भगवान महावीर विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह 21 मई 2022 को शाम 6 बजे आयोजित किया जा रहा है। इस दीक्षांत समारोह में गुजरात के माननीय शिक्षा मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी मुख्य अतिथि हैं, श्री पूर्णेशभाई मोदी, विशेष अतिथि के रूप में गुजरात के कैबिनेट मंत्री (सड़क, भवन, परिवहन, नागरिक उड्डयन, पर्यटन, तीर्थयात्रा, विकास) और महंत शंभू प्रसादजी टुंडिया (भारत के राज्य सभा के पूर्व सदस्य)। भगवान महावीर विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में भगवान महावीर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 182 छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएगी। वहीं चार छात्रों को गोल्ड और सिल्वर मेडल से नवाजा जाएगा। दीक्षांत समारोह के समापन के बाद गुजरात के डायरा किंग श्री कीर्तिदान गढ़वी का लोकडायरा भी आयोजित किया गया है।

ब्रह्मस्वरूप योगीजी महाराज और ब्रह्मस्वरूप हरिप्रसाद स्वामीजी महाराज के प्रकट होने के दिन सूरत में "प्रागट्य महापर्व" का आयोजन

डिंडोली-खरवासा रोड स्थित सनिया कणदे स्थित चंदनबा फार्म हाउस में 22 तारीख की शाम महाप्रसाद और महापर्व महोत्सव होगा

सूरत भूमि, सूरत। हरिधाम सोखड़ा श्री भगवान स्वामीनारायण मंदिर ने 22 मई को सनिया कणदे में ब्रह्मस्वरूप योगीजी महाराज और ब्रह्मस्वरूप हरिप्रसाद स्वामीजी महाराज के प्रगट दिवस के अवसर पर एक भव्य च्प्रागट्य महापर्व महोत्सवज्ञ का आयोजन किया है।

इस बात की जानकारी देते हुए हरिधाम सोखदा स्वामीनारायण मंदिर के प्रवक्ता पू. त्यागवल्लभ स्वामीजी ने कहा कि भगवान श्री स्वामीनारायण की कल्याण परंपरा के ज्योतिर्धर ब्रह्मस्वरूप योगीजी महाराज ने सद्भाव, सद्भावना और एकता के मंत्र से समाज का पोषण किया है और गुरुहरि ब्रह्मस्वरूप हरिप्रसाद स्वामीजी महाराज ने आत्मीयता और दासता से समाज का पोषण किया है। प्रभूधारक इस युग के पुरुषों का प्रागट्य दिवस यानी कृतज्ञता का अर्घ्य देने का धन्य अवसर होता हैं। ऐसे में ब्रह्म स्वरूप योगी जी महाराज के 130 वें और गुरु री ब्रह्मस्वरूप हरिप्रसाद स्वामी जी महाराज के 88वां प्रागट्य दिवस यानी कि प्रागट्य महापर्व महोत्सव हरीधाम सोखड़ा मंदिर द्वारा इस बार सूरत में आयोजित होने का निश्चित हुआ है। 22 मई को डिंडोली-खरवासा मार्ग पर सनिया कणदे गांव के चंदनबा फार्म में संस्कारधाम का निर्माण किया गया है जहां शाम 6 बजे से 10:30 बजे तक महापर्व महोत्सव होगा. शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक महाप्रसाद तथा शाम 7:30 बजे से 10:30 बजे तक

महोत्सव होगा। प्रागट्य महापर्व गुरुदेव परम पूज्य प्रेमस्वरूप स्वामीजी महाराज की उपस्थिति में मनाया जाएगा। अत: इस गौरवमयी एवं दिव्य अवसर पर हम समस्त परिवार को कृतज्ञता का अर्घ्य अर्पण करने के लिए हार्दिक निमंत्रण देते हैं।

बजाज आलियांज लाइफ ने अपने पॉलिसीधारकों के लिए लगातार 21वें वर्ष बोनस की घोषणा की

वित्त वर्ष 2022 के लिए, 11.6 लाख से अधिक पॉलिसीधारक लाभान्वित होंगे

पुणे।

भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ ने अपने पॉलिसीधारकों द्वारा कंपनी पर भरोसा बनाए रखने के लिए वित्त वर्ष 2022 में लगातार 21वें वर्ष उनके लिए सुसंगत बोनस की घोषणा की है। कंपनी ने अपने पॉलिसीधारकों के लिए लगभग 1,070 करोड़ रुपये के बोनस की घोषणा की। इसमें 840 करोड़ रुपये का नियमित प्रत्यावर्ती बोनस और 230 करोड़ रुपये के टर्मिनल और नकद बोनस शामिल हैं जिनका भुगतान वित्त वर्ष 2022 में कर दिया गया है। बजाज आलियांज लाइफ के साथ अपने जीवन लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने वाले 11.62 लाख से अधिक पात्र निष्ठावान पॉलिसीधारक इस घोषणा से लाभान्वित होंगे।

कंपनी द्वारा घोषित बोनस उन सभी प्रतिभागी पॉलिसियों के लिए है, जो 31 मार्च, 2022 तक पूर्ण बीमित राशि के लिए लागू हैं, और जिनके लिए ग्राहक नियमित रूप से प्रीमियम का भुगतान कर रहे हैं। घोषित नियमित प्रत्यावर्ती बोनस परिपक्वता या पॉलिसीधारक की मृत्यु के समयदेय है। यह बोनस वित्त वर्ष 2022 के लिए कंपनी के प्रतिभागी पॉलिसीधारकों के फंड से हुई अधिशेष आय से वित्त पोषित किया जाएगा।

इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तरुण चुघ ने कहा, "हमें खुशी है कि हम पिछले 21 वर्षों से लगातार बोनस की घोषणा करते रहे हैं, जो हमारे ग्राहकों को उनके जीवन लक्ष्य को हासिल करने में उन्हें सक्षम बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम उपयोगी उत्पादों और सर्वोत्तम कोटि की सेवाओं की पेशकश करते हुए संगठन के प्रस्ताव को मजबूत करना जारी रखेंगे। ये बोनस पॉलिसियों पर घोषणा किए जाने वाले वार्षिक बोनस के अलावा होंगे ताकि हमारे ग्राहकों के दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके।"

बजाज आलियांज लाइफ को केयर रेटिंग्स से च्एएए (आईएस)' स्टेबल की रेटिंग प्राप्त है जो वित्तीय दायित्वों को समयबद्ध तरीके से पूरा किए जाने के संबंध में उच्चतम स्तर की सुरक्षा का संकेतक है। ऐसे जारीकर्ता सबसे कम ऋण जोखिम उठाते हैं। कंपनी में एक दिन की दावा अनुमोदन प्रक्रिया है * (वित्त वर्ष 21 -22 के आँकड़ों के अनुसार)।

* केयर रेटिंग्स प्रेस रिलीज के अनुसार

** उचित दस्तावेज के साथ हमें प्राप्त कुल 95% व्यक्तिगत दावों को एक दिन में अनुमोदित किया गया।.

टाटा मोटर्स ने नया नेक्सॉन ईवी मैक्स लॉन्च किया, जिसकी कीमत बाजार में 17.74 लाख रू. लगाए

सूरत । भारत में मोबिलिटी के तेजी से विद्युतीकरण के लिए प्रतिबद्ध टाटा मोटर्स ने आज सूरत में भारत में पर्सनल मोबिलिटी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाले ईवी एक्सटेंशन नेक्सॉन इविमैक्स को लॉन्च किया। प्रेसिडेंट ऑटोमोटिव और ShriGoToMart Nexon EVMXR पर उपलब्ध है। आकर्षक कीमत पर 17.74 लाख (एक्स-शोरूम, भारत)। इस लॉन्च के साथ, टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहनों की अपील का विस्तार किया और इंटरसिटी यात्रा की तलाश करने वाले ग्राहकों के लिए नए ऑफर्स के साथ बाजार का विस्तार किया।

नया नेक्सॉन ईवी मैक्स हाई वोल्टेज अत्याधुनिक जिप्ट्रॉन तकनीक द्वारा संचालित है और दो ट्रिम विकल्पों में उपलब्ध होगा - नेक्सॉन ईवी मैक्स एक्सजेड + और नेक्सॉन ईवी मैक्स एक्सजेड + लक्स। यह 3 आकर्षक रंगों में आएगा- इंटेंसिटी-टील (इस मॉडल के लिए विशेष), डेटोना ग्रे और प्रिस्टिन व्हाइट। डुअल टोन बॉडी कलर स्टैंडर्ड के तौर पर पेश किया जाएगा।

40.5 kWh लिथियम-आयन बैटरी पैक से लैस, Ne&on EVma× 33% अधिक बैटरी क्षमता, 437 किमी (मानक परीक्षण स्थितियों के तहत) की चिंता-मुक्त ARAI प्रमाणित रेंज प्रदान करता है, जो निर्बाध अंतर-शहर यात्रा सुनिश्चित करता है। Nexon EV Max 105 kW (143 PS) की पावर और 250 Nm का इंस्टेंट टॉर्क एक पेडल के पुश पर उपलब्ध कराता है, जिसके परिणामस्वरूप 9 सेकंड में 0 से 100 स्प्रिंट होते हैं।

चार्जिंग अनुभव को अधिकतम स्तर तक ले जाते हुए, नेक्सॉन ईवी मैक्स 3.3 kW चार्जर या 7.2 kW एसी फास्ट चार्जर के विकल्प के साथ उपलब्ध होगा। 7.2 kW का AC फास्ट चार्जर या तो घर पर या काम पर लगाया जा सकता है जो नियमित चार्जिंग समय को 6.5 घंटे तक कम करने में मदद करता है। इसे एक आकर्षक प्रस्ताव बनाते हुए, Ne&on EV Ma& किसी भी 50 kW DC फास्ट चार्जर से 0 - 80% के फास्ट चार्जिंग टाइम को केवल 56 मिनट में सपोर्ट करेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)